

अनुक्रमनिका.

—००००००—

नं.	राग	पद	ताल	पृष्ठ
१	कल्याण	तेरोहि	चारताल	१-१४
२	जेमिनोरुल्याण	अव गुनन	तीनताल	१४-१८
३	भूपाली ओडय	आपनो नीजपद	तेवरा	१८-२२
४	"	स रि ग म	तीनताल	२२-२८
५	"	सेसाचल	सुरफाकाताल	२९-३२
६	हमीर	चौंचल	चारताल	३२-३६
७	"	ध्रीराम	तेवरा	३७-४१
८	बिहाग	देखोसयी	तीनताल	४२-४४
९	"	सयी आज	झपताल	४४-४७
१०	"	जयरामरूप	धमार	४८-५१
११	पमाज संकीर्ण	प्रीतरित	तीनताल	५२-५७
१२	छाया, खमाज	राजत रघुवीर	चारताल	५७-६१
१३	खमाज	अरुनदल	झपताल	६१-६३
१४	देस	कुवजाही	तीनताल	६४-६६
१५	जयजय, संपूर्ण	तेरोरुलूनही	झपताल	६७-६९
१६	" "	मधेरात आई	चारताल	७०-७३
१७	जयजयवंती	शामशामसो	धमार	७४-७८
१८	केदार	सरससीस मौर	चारताल	७८-८२
१९	"	होरीरे मोहन	धमार	८२-८४
२०	पूरिया	चली नार	"	८४- ७
२१	पूरिया	रामवदन मती	तीनताल	८८-२१
२२	"	तराणा		

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को समझने के
लिये संगीत तत्त्वदर्शकों को पढ़ना चाहिये

तार		
मध्य	रि स रि स	स रि रि . ५ ग रि
मन्द्र		ध नि नि नि
	स धा ल मी	क ना र द सु नि स न का
	२ २	१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स सु . ५	स
मन्द्र		नि धु . ५ धु प . ५ नि धु . ५
	. दि क	से . . स .
	२	१ ३

तार		
मध्य	स सु . ५ रि ग रि रि सु . ५	रि ग प
मन्द्र	नि	नि
	. सु रे . स स न त	र ट त र
	२ ३ २ २	१ ३

तार	स रि रि गु . ५ ग रि सु .
मध्य	नि नि ध पु . ५
मन्द्र	।

ध रा मे . र प घ न . आ न
१ ३ २ ३ २ ७

तार	स सु .
मध्य	प ध नि ध पु . ५ ध प म ग ग रि
मन्द्र	

प द . पा . . छी ज ल ध ल स य
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु
मध्य	म धु मु ध नि ध पु . ५ ध नि ध पु . ५
मन्द्र	

घ न . दा . मि नी आ . . .
१ ३ २ ३ २ ६

तार	रि
मध्य	प ध ध नि नि . ५ म धु मु मृ ग रि
मन्द्र	

आ री
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि ५	ग प प पु . ५ प ध प पु . ५
मन्द्र	नि	

न र दी न र धु दी न ना . थ
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	म ध नि ध्र पु . ५ प प ध्र मृ प मृ गु . ५
मन्द्र	

दी न द या . ल ज ग जी . . व न
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	रि ग प ग रि सु . ५ रि ग रि
मन्द्र	नि नि
ज ग . घ्रा . थ क र . ता . १ ३ २ ३ २ २	

तार		
मध्य	सु . ५	सु . ग प ग . ५ पु . धु मृ . १
मन्द्र		
र भ . र . न भू . य . १ ३ २ ३ २ २		

तार		सु सु . ५ सु . रि सु . ५
मध्य	गु . ५	ग म ध
मन्द्र		
न यी सा . भ र सा . चि त १ ३ २ ३ २ २		

तार	स स स स रि . ५ स	
मध्य	ध	नि ध प ध पु . ५
मन्द्र		

सौ . प त ञ न ते . . रो . हि
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु स . १	रि
मध्य	ग ग म ध ध प . १	नि
मन्द्र		

स व सू य स मू . इ दी जे गू ला
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	ग रि नि सु .	
मध्य	नि	ध नि . ५ म धु पु .
मन्द्र		

. व को . . ध न ये . .
३ २ ३ २

तार		रि
मध्य	स गु . ५	म ध नि नि . १ म धु
मन्द्र		

रा म क .
२ १ ३ २ ३

तार	
मध्य	सु . I गु रि रि . ५
मन्द्र	नि

र . . ता र है
२ २



द्विगुण करने की रीति.



तार	
मध्य	पु सु गु . रि पु गु . ५ पु पु पु पु गु .
मन्द्र	

ते . . रो . हि ध्या न ध र .
१ ३ २

तार	
मध्य	पु . ५ सु धु मु ५ गु रि रि . ५ गु
मन्द्र	नि

त व्रं . . ह्या . शि च व्या
३ २

तार		
मध्य	रि गु . ५ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

... स वाल मी क ना र द
६ ६

तार		
मध्य	रि . ५ गु रि रि सु सु . ५ सु	
मन्द्र	नि नि	

मु नि स न का . दी क से
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५	

... . स . सु रे
२

तार		यहासे यहातक विलंबित फिर
मध्य	गु रि रि सु.५	रिगपगपु.५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
	स सु नी त २	र ट त ग ह त १ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु.५	रि गु पु गु पु नि धु सु पु.
मन्द्र	नि	
	त र ह त २	र ट त र ह न नि स . . २

तार		
मध्य	गु रि रि	'प मु ग . रि प गु . ५
मन्द्र	नि	
	वा . स र	ते . . . रो . दि १ ३ २

तार		
मध्य	रि गु . ५ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

स धा ल मी क ना र द
५ ५

तार		
मध्य	रि . ५ गु रि रि सु सु . ५ सु	
मन्द्र	नि नि	

सु नि स न का दी क से
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५	

... स २ सु रे

तार	.	यहामे यहातक विलंबित फिर
मध्य	गु रि रि सु.५	रिगपगपु.५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
. स सु नी त		र ट त र ह त र ट
२		१ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु.५	रि गु पु गु पु नि धु म पु.
मन्द्र	नि	
त र त त		र ट त र ह त नि स . .
२		२

तार		
मध्य	गु रि रि	प म ग . रि प गु . ५
मन्द्र	नि	
पा . म र		ते . . रो . दि
		१ ३ २

तार		स स
-----	--	-----

मध्य	प प प पु गु . पु . ५	प ध प
------	----------------------	-------

मन्द्र		
--------	--	--

ध्या न ध र . त चौ . द स र
३ २ २ १ ३ २

तार	सु . ५ स स स स रि सु सु . ५	
-----	-----------------------------	--

मध्य		प ध
------	--	-----

मन्द्र		
--------	--	--

ज ओ र त रा . ग न चौ .
३ २ २ १

तार	सु सु सु . ५ सु सु सु सु रि सु सु	
-----	-----------------------------------	--

मध्य	प	
------	---	--

मन्द्र		
--------	--	--

द स र ज ओ र त रा . घ न
३ २

तार	सु . ५ . रि	रि गु . ५ गु रि सु .
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

ध ३ रा मे २ ग य व न २ .

तार	यहामे सु सु .	चिलंबित
मध्य	ध पु . ५ प ध	नि ध पु . ५
मन्द्र		

वा स प ग ३ पां . २ छी

तार	फिर डिगुण
मध्य	ध प म ग ग रि . ५ म धु . मु धु नि
मन्द्र	

ज ल घ ल ख य . ध न . दा .
३ २ २ १

तार	रि सु				
मध्य	धु पु . ५ धु	नि धु पु . ५ पु धु धु नि			
मन्द्र					
	मि नी	आ	.	.	.
	३	२		३	*

तार	रि				
मध्य	नि . ५ मु धु मु मु ५ गु रि				रि ५
मन्द्र	नि				
	ओ र	ना	री	न	र
	२		-		

नवर २.

राग जैमिनी कल्याण.

इस म कवल दो मध्यम लगत है एक शुद्ध दुसरा तावतर शुद्ध
मध्यम के बास्त निशाना हागा (तीनताल)

तार	सु
मध्य	स रि ग म प ध नि नि ध प म ग
मन्द्र	

तार	
मध्य	० म ग रि स
मन्द्र	

- अस्तराई—अथ गुनन की जी ये गुनि मन का जाने गुन
की मार भाँग गुनी गुनी जाने गुन की मार ॥
- भंतरा—यही धेर समझे नदि समझत पार धेर कोन फंदे
एक धेर फंदे दीनी कोन फंदे यह पार पार ॥

तार		
मध्य	सु रि गु पु रि गु रि सु . ५	गु रि गु
मन्द्र	नि	

अ च गु न न की . जी ये गु नी स
३ . २ १

तार	
मध्य	गु पु . सु गु ७ सु गु रि सु
मन्द्र	नि धु पु पु . ५

न का . जा . ने . गु न की सा र
२ ३ २

तार	
मध्य	गु . गु गु गु रि सु रि गु रि रि सु
मन्द्र	नि

ओ र गु नी . गु नी . . जा . ने
१ २ ३

तार			
मध्य	रि ग रि ५	गु मु प रि ग रि	सु
मन्द्र	नि		नि
गु न की . सा . र थ य २ १ २			

तार			सु
मध्य	रि ग पु रि ग रि सु ५	गु गु प पु	
मन्द्र			
गु न न की . जी थे प डी धे र ३ २ १ २			

तार	सु सु सु सु रि सु सु	सु सु
मध्य	धु	धु नि धु
मन्द्र		
म शे न दि न म न न या . र धे र ३ २ १ २		

तार	
मध्य	धु नि धु पु पु . मु ग रि गु ५ रि सु रि
मन्द्र	नि

को . न क हे . ए क धे . र क हे दी
३ २ १ ५

तार	
मध्य	स सु स रि ग गु ग रि
मन्द्र	धु नि धु नि

नी को . न क हे य ह वा र वा र
३ २ १ ३

नंबर ३.

राग भूपाली ओडव.

इस राग में मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल तेवरा, (मात्रा ७.)

तार	आरोह	<u>स</u>	अवरोह
मध्य	स	रि ग प ध	ध प ग रि स १
मन्द्र			

तार	<u>स</u>	
मध्य	ध	ध प ग ग प . ५ स रि ग स रि
मन्द्र		

आ प नो गी ज ष द
१ ३ २ २

दे त य ली
१ ३ २

तार			
मध्य	स . १	ग ग ग प प प . ५	ध प रि
मन्द्र			

को .
२

दा . न मा ग त
१ ३ २ २

या ल हो
१ ३ २

तार		स स स रि . ५	ग
मध्य	स . १	ग प ध	
मन्द्र			

सो य दू क प ट ज घ स
 २ १ ३ ४ ७ १

तार	ग रि स रि स . १	रि रि रि	स
मध्य		ध	ध
मन्द्र			

म ज क वी को मा ये खो म त दे
 ३ २ २ १ ३ २ २

तार		स	स
मध्य	पु . ५	ध प ग रि स लु . ५	ध
मन्द्र			

तो य ल ही र ख वा को मू घ
 १ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	ध प ग ग पु .५	स रि ग स रि स सु .५
मन्द्र		

ती न प द फो
२ २

मां . गे या . म न
१ ३ २ २

तार	रि रि रि स सु .५	स
मध्य	ध ध	प धु पु .
मन्द्र		

ह स के नृ प धो ले
१ ३ २ २

ओ . र .
१ ३

तार	रि स रि स सु .५	
मध्य	रि स सु .५	ध प
मन्द्र		

ले ध न
२ २

म यो श्री ची क म
१ ३ २ २

कि
१

नार		स स स
मध्य	प ध ग प पु . ५	ग प ध
मन्द्र		

यो प द क्र म
३ २ २

ए क म ही प
१ ३ २ २

तार	रि . ५	ग ग रि स रि स सु . ५	
मध्य			ध ध
मन्द्र			

र वी जे को अ ग र
१ ३ २

धे
२ ३

तार	रि स सु . ५	स
मध्य	ध प	प ध प ग रि सु . ५
मन्द्र		

जु के प्र म
२ २

ती जे को शि र प र
१ ३ २ २

નંબર ૪

तल तीनतल

तार					
मध्य सु			सु १ १ सु १ रि ग		
मन्द्र	ध प ध ध. ५				
	३ २		१ २ ३		२

तार		सु
मध्य	ध० प० ध० प० ग० रि० ५	ग० प० ध० ध० प०
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	सु	
मध्य	ध० प० ग० ध० प० ग० रि० सु रि० ५	ग० ग०
मन्द्र		
	३ २	१

तार	
मध्य	प० ग० रि० रि० ग० रि० सु रि० सु सु
मन्द्र	ध०
	२ ३ २

तार	
मध्य	सु रि रि सु रि गु १ रि गु प धु पु गु गु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	सु सु रि रि गु रि रि सु
मध्य	पु पु धु धु धु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	रि रि सु	सु सु
मध्य		धु पु धु धु पु गु
मन्द्र		

१

२

तार		
मध्य	धृ णु गृ रि गृ रि सु रि . ५	पृ पृ धृ
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		
मध्य	पृ गृ गृ ० पृ गृ रि रि ०	गृ रि सु सु ०
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		सु
मध्य	रि सु रि गृ रि गृ पृ गृ	पृ धृ पृ धृ धृ
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	स	रि	सु	रि	गु	रि	सु	रि	सु	सु
मध्य									धु	धु
मन्द्र										
	३		२				१			२

तार										
मध्य	पु	धु	पु	गु	पु	गु	रि	गु	रि	सु रि ५
मन्द्र										
			३				२			

नंबर ५.

राग भूपाली.

ताल अभिनदन (सुरफाक्ता)

अथवा मिश्र जाति तनिताल मात्रा १०

तार		
मध्य	रि रि स स स . १	स रि ग ग ग
मन्द्र	धु	

से सा च ल वा सा
१ ३ २ २ ३

तो हे द र स
१ ३ २

तार		सु १.५
मध्य	रि स रि ग . १	प प ग रि ग प ध
मन्द्र		

सी धा . मा
२ ३

दि न दि न क र त हे .
१ ३ २ २ ३

तार	
मध्य	ध प ध प ग रि ग . प रि सु . ५
मन्द्र	

वि ध ह र प . . अ ना भ
१ ३ २ २ ३

तार	स स स	स स रि
मध्य	प प ध धृ प पु . ५	
मन्द्र		

न घ दि न न घ रा त म न व वा
१ ३ २ २ ३ १ ३

तार	ग रि स रि स सु . ५	
मध्य		ध प ध प रि ग
मन्द्र		

ह न नि क स त र थ प र द स
२ २ ३ १ ३ २

तार		स स
मध्य	प रि सु . ५	ग ग रि ग प ध
मन्द्र		

रे दी न जो य ही व्य क ट जी
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	सु . १ सु रि ग रि सु रि सु सु . ५
मध्य	
मन्द्र	

को . गा . घ त गा . व त
१ ३ २ ४ ३

तार	सु सु . ५
मध्य	गु ग रि ग प ध ध ध
मन्द्र	

सो न हि वा . र वा . र ज
१ ३ २ २ ३ १

तार	सु
मध्य	प ग रि ग प रि सु सु . ५ प ध
मन्द्र	

न न म र न पा घ त य लु को
३ २ २ ३ १ ३ २

तार	स रिस .१	
मध्य		गु ग ग रि ग प रि सु .५
मन्द्र		

ध प नो अं त को च र न दे त
३ ३ १ ३ २ २ ३

नंबर ६.
राग हर्षीर.

ताल चारताल.

इस राग में दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर,
जब तीव्रतर म, लगाया जावेगा उस समय इसतरह आरोह
होगा म, प, ध, जब शुद्ध म का उपयोग किया
जावेगा उस वक्त आरोहमें प, वर्ज होगा
मध्यम तीव्रतरके लिये निशानी होगी

तार	सु
मध्य	सु रि गु म ध नि निधु सु पु गु म रि सु
मन्द्र	

तार	स . स	
मध्य	धं . ५५	नि नि . ५ ध
मन्द्र		
	चो . च ल .	च . . प
	३ २ २	१ ३

तार		
मध्य	△ सु म . ५ प पु . ५ ध पु △ म प	
मन्द्र		
	ला . . . फी	ग त . तै .
	२	३ २ २

तार		
मध्य	पु . ५	ग म रि ग म धु . ५ △ म प
मन्द्र		
	सो	फ म ल य द नी
	१	३ २
		अ नु
		३

तार		
मध्य	गु म . ५ रि स . १	रि सु रि . ५ स
मन्द्र		

२ . . . प म का . . . नि
२ २ १ ३

तार		
मध्य	स रि सु रि . ५ स सु . ५ स रि	
मन्द्र		नि

नी सुं . . . द र फ र न
२ ३ २ २

तार		
मध्य	स	I रि स . १ स ध पु . ग . १
मन्द्र	ध . ५	

. . फ . ल रा . ज त मा . ने .
१ ३ २ ३ २ २

तार		रि स सु	
मध्य	म	ध नि	नि ध नि . ५
मन्द्र			

मे . ग ल गा . . . वो
१ ३ २

तार	सु . सु		सु सु . ५
मध्य	ध ^० . ५	ग म ध नि	
मन्द्र			

यो . च ल सु ग म र त
३ २ २ १ ३ ०

तार	सु सु सु सु सु . ५		सु सु . ५
मध्य		ध ^० ध ^० ध ^०	
मन्द्र			

छ यी सुं द र प र म फा म
३ १ २ १ ३ -

तार	स रिसुस	
मध्य	नि	धधपु.५△मपप
मन्द्र		
निसरा . म धा . म दगवि ३ २ २ १ ३ २ ३		

तार		
मध्य	धधपु.५△मपपु.५	सससध
मन्द्र		
सा ल ध ध र प २ २ १ ३		

तार	सु	रि.५
मध्य	धप.९धनि नि.५	धुँपधनि
मन्द्र		
रयी . दुमघार वारडा . र २ ३ २ २ १ ३ २		

[३७]

नं० ७

राग हमीर.

ताल तेवरा (खड्गजाति तान ता ४)

तार							
मध्य	स . १	प	पु . ५	ग	गु	मु . ५	धुँ
मन्द्र							

श्री . रा म चंद्र क पा
२ १ ३ २ २ १

तार	रि स						
मध्य	धुँ	नि	ध	पु . ५	म	प	ध
मन्द्र							

लु भ ज म न ह र न
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	△ स प प पु . ५	ग स स ध्रु △ स
मन्द्र		

भ व भ य
२ २

दा . र णो न
१ ३ २ २

तार			
मध्य	पु . ५	ध्रु प △ स प प पु . ५	ध्रु प
मन्द्र			

व कं ज लो . घ न क ज
१ ३ २ ३ १ ३

तार		
मध्य	△ स △ स प पु . ५	ग स रि ग स ध्रु
मन्द्र		

सु स क र
२ २

कं . ज प द कं
१ ३ २ ०

तार	।		
मध्य	△ मु पु . ११	ग म रि	स स . १
मन्द्र		नि	॥

जा र णो श्री
१ ३ ७ ७

तार			
मध्य	पु पु . ५ ग ग मु . ५	धं धं ७ . पु	
मन्द्र			

रा म च द्र रु पा क
१ ३ २ २ १ ३ २ २

तार	स स	स स सु . ५	स स
मध्य	नि		नि
मन्द्र			

दर प अ ग णि त अ मि त
१ ३ २ २ १ ३

तार	स स स सु . ५	स स सु . ५
मध्य		ध्रँ ध
मन्द्र		

छ यी न घ
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ २ २

तार	स स	ग म रि
मध्य	ध्र प पु . ५	नि
मन्द्र		

छुं द रं प ड
१ ३ २ २

पी . न मा
१ ३ २

तार	स स . ९	
मध्य		ध्रँ ध्रँ प ढ म प प पु . ५
मन्द्र		

. नौ
२

त टी त
१ ३

रु ची रु ची
२ ६

तार	.	.
मध्य	ग म रि ग म ध पृ.५	ग म रि सृ.९
मन्द्र		

नौ . मि ज न क सू ता . व रौ
१ ३ २ २ १ ३ २

यह अतरे उपरके भजनके अतरेके स्वर गाना

शिर मुकुट कुंडल तिलक चाय उदार अंग विभूषणं
आजानुभुज शर चापधर संग्राम जित सर दूषणं ॥ १ ॥

भजो दीनबंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनं
रघुनंद आनंदकंद कोशल चंद दशरथ नंदनं ॥ २ ॥

शक्ति चदत तुलसीदास शंकर सेस मुनीमन रंजनं
मम हृदय कंज नियास कुर कामादि खल दल गंजनं ॥ ३ ॥



तार	स स स सु . ५	स स सु . ५
मध्य		धूँ ध
मन्द्र		

छ बी न य
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ ० २

तार	स स	ग म रि
मध्य	धू प पु . ५	नि
मन्द्र		

खं द रं ष ड
१ ३ २ २

पी त मा
१ ३ २

तार	स स . ९	
मध्य		धूँ धूँ प ढ म प प पु . ५
मन्द्र		

. नौ
२

त टी त
१ ३

रु ची सु ची
२ २

नगर ८

राग विद्वाग.

इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी आरोहम रिषम और धैवत वनं बारीके सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	ग म पु नि नि ध प Δ म ग म ग रि स ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	स ग स ग म ध Δ म प ग म ग
मन्द्र	प नि

दे खो स यी क न्दैया रो . के ठ डो हे
 १ २ ३ २

तार	.	
मध्य	रि सु सु . ५	सु मृ गृ मृ पु पु
मन्द्र	नि	
. मे . लि पा नि या भ र न १ २		

तार	सु	
मध्य	नि Δ मु धु Δ मु पु गृ मृ गृ रि	
मन्द्र		नि
के से जा . उ . मो रि . . भा ३ १		

तार	.	सु सु सु
मध्य	सु सु . ५	प नि नि पु
मन्द्र		
. लि हं ज ल ज मु ना भ १ २ ३		

[४२]

नं० ८.

राग विहाग.



इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतरमध्यम के वास्ते निशानी
होगी आरोहमें रिषम और धैवत बर्न बाकाके मव शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	गु म पु नि नि ध प Δ म गु म ग रि सु ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	सु ग सु ग म धु Δ म पु ग म गु
मन्द्र	पु नि

दे खो स खी क न्है या रो . . के ठा डो हे
१ २ ३ २

तार	सु गुरि सु	सु गुरि सु
मध्य	नि	नि नि . ५
मन्द्र		

र न ध र से जा ती

वि च मे मि

२

१

तार	गुरि सु सु .
मध्य	नि धु प म गुरि सु
मन्द्र	नि

ल ग ये ष

नं द जि के . छो रा

२

३

२

नंवर ९

राग बिहाग.

ताल क्षपताल

तार		
मध्य	सु ग . १	ग गु म पु धु ग म ग रि
मन्द्र		नि

द सो म ची हो .
२ १ २ ३

तार		सु
मध्य	सु ग म प नि . ५	पु प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी ए ऊ स ग ग्या
२ १ २ ३

तार	सु सु . १	सु सु रि सु I
मध्य		नि नि धु
मन्द्र		

ल ने शा म सो . . . ग .
२ १ २ ३

तार	स	स ग म प स
मध्य	Δ सु षु षु नि . ५	
मन्द्र		

त क र रु त . त्रि ज
७ १ २

तार	ग रि सु सरि सु . ५	
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		

ना . . . र मि ल रा धा
३ २ १ २

तार		
मध्य	Δ सु षु ऽ म ग म . ५	
मन्द्र		

गो री .
३ २

तार		
मध्य	म ग .१	ग ग म प ध ग म ग रि
मन्द्र		नि

द सो म ची हो .
२ १ २ ३

तार		सु
मध्य	सु ग म प नि . ५	पु प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी ए क सं ग ग्या
२ १ २ ३

तार	सु सु . १	सु सु रि सु I
मध्य		नि नि धु
मन्द्र		

ल ने शा म सो या .
२ १ २ ३

तार	..स	स ग म प म
मध्य	△ सु पु प नि . ५	
मन्द्र		

..त फ र
७

र त . त्रि ज
१ २

तार	ग रि	तु सरि सु . ५	
मध्य	नि		नि धु
मन्द्र			

ना . . . र मि ल
३ २

ग धा
१ २

तार		
मध्य	△ सु पु इ म ग म . ५	
मन्द्र		

.. . गो री
३ २

तार	
मध्य	धु पु धु Δ मु . ११ ग म प नि नि
मन्द्र	

च . हि . द श शी श
२ १

तार	सु सु सु
मध्य	नि प धु Δ मु पु Γ म गु . ५
मन्द्र	

वा हु प्र च ड म . . ड न
२ ३ ७

तार	
मध्य	ग ग म नि धु Δ मु पु Γ प म ग रि
मन्द्र	नि

वा प श र मं . . . ड न म ही .
१ २ ३ २

तार			सु सु सु सु
मध्य	सु I	ग म	प नि नि
मन्द्र			

० ० पा ० यो ० द गा त स रो
१ २ ३

तार	सु रि सु .	सु ग
मध्य	नि ग म	प नि नि
मन्द्र		

ज सु . र र . जी . व आ य
२ १ २

तार	म ग	स	स पु म	ग
मध्य	नि	नि . १		
मन्द्र				

त लो . च . नं नित . नी
३ २ १

तार	स स रिस
मध्य	नि नि Δ म प धु Δ मु
मन्द्र	

• मि रा व ह पा • लु या •
२ ३ २

तार		
मध्य	पु Δ म म	गु ग प नि धु Δ मु. प
मन्द्र		

• • दु वि दा ल भ घ भ •
१ २

तार		
मध्य	गु म ग रि	सु • ५
मन्द्र	नि नि	

भा • न न • • •
३ २

नंबर ११.

राग खमाज संकीर्ण.

— १५७१-२ —

इसमें गधार दो शुद्ध और अतिशोमल धैवत दो शुद्ध और अतिवैमल
 निषाद अतिशोमल, अतिशोमल धैवत और शुद्ध गधारके वास्ते
 निशानि हागी चारोंके गज शुद्ध स्वर
 तीन ताल.

तार		सु
मध्य	सु रि गु म ङ ग म प ध नि	
मन्द्र		

तार		
मध्य	नि ध प ऋ ध प गु रि सु . १	
मन्द्र		

तार	
मध्य	प ६ गु म सु रि षु गु गु गु रि रि गु गु
मन्द्र	

प्री त री त र धु रा . . ह हो जी
 १ २ ३ २

तार		स रि सु
मध्य	रि सु रि	नि धु पु धु धु
मन्द्र		

. न त हो . ना . ते ख घ हा
 १ २

तार	
मध्य	नि धु पु नि धु म षु मु गु म षु मु पु गु
मन्द्र	

ते फ र रा . से रा म स ने ह स गा
 ३ २

तार		
मध्य	गु रि	गु गु रि सु रि पु १ गु गु रि
मन्द्र		

१ इ हो जा २ न त पी हो जा

तार		
मध्य	सु रि पु १ गु गु रि सु रि ५	नि धु पु धु
मन्द्र		

३ न त पी हो जा २ न त तिय वि र १

तार	सु गु सु सु रि	
मध्य		नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र		

२ हो सु श्री व स ३ खा ल सी प्रा न पि या

तार	सु सु सु सु सु सु सु
-----	----------------------

मध्य	पु धु नि धु पु धु
------	-------------------

मन्द्र	वि सु रा ई र न प यो वं धु वि भी
--------	---------------------------------

तार	
मध्य	पु पु ५ धु पु ५ धु पु पु ५ धु नि ५ धु पु

मन्द्र	रा न ह को सो च ह द य अ धि
--------	---------------------------

तार	
मध्य	मु ५ धु पु मु गु गु रि सु रि . ५ नि धु

मन्द्र	का . ई हो जा . न त ध न
--------	------------------------

तार		
मध्य	गु रि	गु गु रि सु रि पु १ गु गु रि
मन्द्र		

• ई हो जा • न त पी हो जा •
१ २

तार		
मध्य	सु रि पु १ गु गु रि सु रि ५	नि धु पु धु
मन्द्र		

न त पी हो जा • न त ति थ वि र
३ २ १

तार	सु रा सु सु रि	
मध्य		नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र		

ही सु ग्री व स खा ल री प्रा न पि या
२ ३

तार

मध्य

नि ५ धु ५ धु पु पु पु नि ५ धु पु मु

मन्द्र

की र वि मा धु री न पा . ई
३

तार

मध्य

गु गु रि सु रि ५

मन्द्र

हो जा . ग त

२

नंबर १२.

राग छायालगत्य खमाज.

इसमें दो गन्धार और दो निषाद लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा
अतिस्वोमल, अतिस्वोमल गन्धार और अतिस्वोमल निषाद से किये
निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर
चार ताल.

तार	सु . ५	रि ५ ग रि स रि	सु सु
-----	--------	----------------	-------

मध्य		नि	.
------	--	----	---

मन्द्र			
--------	--	--	--

र नि १ र ३ उ २ सी . सो ३

तार		
मध्य	धु ५ नि पु धु I . १	ग ग म ५ नि

मन्द्र		
--------	--	--

३ २ . २ अ १ नु ३ ज ३ म

तार		सु	सु सु . ५
मध्य	ध ५ नि नि	नि	नि

मन्द्र			
--------	--	--	--

नु २ ज ३ नि ३ क २ सं २ ग २ क

तार	स स	स रि स
मध्य	नि	प नि ५ नि ध
मन्द्र		
	रा ज त र धु बी	र धी
	१ ३ २ ३	२

तार		
मध्य	प ध	मे प प ५ नि ध म प म गु
मन्द्र		
	र भं ज न भ व वि	र पी
	२ १ ३ २ ३	२ २

तार		स स
मध्य	गु . ५	स म ग म प ध नि नि
मन्द्र		
	र	हा र न स क ल स र जु ती
	१ ३ २ ३ २ २	

तार	
मध्य	५ <u>नि</u> पु धु . ५
मन्द्र	

• • •
२

नंबर १३
राग खमाज.

इसमें दो निषाद दगते हैं एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल अतिकोमल
निषाद के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल छप्ताल.

तार	<u>स</u> <u>रि</u>
मध्य	<u>स</u> <u>नि</u> ५ <u>नि</u> ध ध म ग स
मन्द्र	

अ रु न द ल म ल न को .
१ २ ३ २

तार	स	स	स	रि	स	
मध्य	नि		नि	५	नि	धृ धृ . ५
मन्द्र						

र न द नु ज ष ल भि अं ग
३ २ ३ २ २

तार		स	स	सु	सु . ५	रि
मध्य	ग	म	पु	ध	नि	नि
मन्द्र						

अं ग अं ग छ वि अ नं ग अ
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	५	ग	रि	स	स	स	स .
मध्य			नि		५	नि	ध
मन्द्र							

ग छि त म न मो .
३ २ ३ २

तार	स स रि	सु
मध्य	नि	नि ४ नि ध ५ १
मन्द्र		

प २ . ति मि ल ३ . न को २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि
मन्द्र		

ते १ . रे २ . ढीं ग ३ ओ २ . र स १

तार	सु
मध्य	४ नि ध म प ध म ग . १
मन्द्र	

वे २ . . ३ . प्र ह २

तार	स रि सु . य			
मध्य	ग म म प ध नि	नि	५ नि	
मन्द्र				

सा १ कि २ जौ ३ र २ द २ ल २ प्र २ य २ ल १ प १

तार	सु			
मध्य	ध प ५ नि धु	५ नि ध प ध म ग		
मन्द्र				

र २ भो म . . प ३ र २

तार	स स स स	स स स	स
मध्य	नि	नि	
मन्द्र			

प १ सो २ ल ३ प्र २ य २ . ति ५ भु १ य १

तार	स स रि	सु
मध्य	नि	नि १ नि ध २ १
मन्द्र		

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि
मन्द्र		

ते रे ढीं ग ओ . र स
१ २ ३ २ १

तार	सु
मध्य	१ नि ध म प ध म ग . १
मन्द्र	

२ . . ३ . २ ह

नंबर १४.

राग देश.



आरोह में गंधार और धैवत बर्ज. निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा
अतिकोमल. अतिकोमल निषाद के वास्ते निशाना होगी,
बाकी सब शुद्ध स्वर.
तीन ताल.

तार	सु सु
मध्य	रि रि म प नि नि † नि धु † नि
मन्द्र	

कु व जा ही म न मा नी . . .
१ २ ३ ४

तार		
मध्य	धु प	म प म प धु † नि धु म ग म
मन्द्र		

मा से अ यो ल नो . . . जी .
१ २

य	गुं रि गुं ५ रि सु. ५	मं मं मं पं
न्द्र	नि	

रा ३	ज था री १	ज मु ना के १
------	-----------	--------------

तार	सु सु सु	सु रि रि
मध्य	नि नि नि नि	नि

मन्द्र	ड र ती २	धे नु च ३	रा ४	घ ५
--------	----------	-----------	------	-----

तार	स स	सु रि	मं रि	सु सु .
मध्य	१ नि	नि		

मन्द्र	१	य सी मे २	क छु ३	अ छ ४	र ज ५	गा ६
--------	---	-----------	--------	-------	-------	------

तार		रि रि रि लु लु लु .	
मध्य	नि प	१ पु	५ नि
मन्द्र			
. वे १ मि टी २ . ता न लु ना ३ वे			

तार			
मध्य	५ नि . धु धु पु पु १	पु . मृ पु धु ५ नि	
मन्द्र			
. . छ ति थां २ चो ल नो १ २ . .			

तार			
मध्य	धु म गृ रि ग १ रि	सु . ५	
मन्द्र		नि	
. जी रा ३ . . . ज था री २			

[६७]

नंवर १५.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

इसमें दो गंधार एक शुद्ध व दूसरा अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल अतिकोमल निषाद और गंधार के वास्ते निशानी होंगी धाराके सब शुद्ध स्वर इष्टताल.

तार	
मध्य	सुरि ग म गुरि ऋ गुरि स
मन्द्र	नि नि
	ते . रो . क . छ . न . १ २ ३ २

तार	
मध्य	सु ५ ५ ग म सु ध ग म रि ५ ५ ५
मन्द्र	
	ही . जा . त ज सो . दा . . १ २ ३ २

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>स</u> <u>रि</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ध</u> ५ <u>नि</u> ५५
मन्द्र	<u>नि</u>

उ ५ मे . जो घ न जा . त
१ २ ३ २

तार	
मध्य	<u>ध</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>स</u> <u>ग</u> <u>रि</u> ५५ <u>स</u> <u>प</u>
मन्द्र	

पी या धे . न मे . . रो . . जी न
१ २ ३ २ १

तार	<u>स</u> <u>सु</u> <u>सु</u> <u>सु</u> ५५ <u>स</u>
मध्य	<u>नि</u> <u>नि</u> <u>नि</u>
मन्द्र	

फे . पि या प र धे .
२ ३ २ १

तार	रि ५ ग रि स स रि
मध्य	ध ५ नि ५ ५
मन्द्र	

स . ग घ न की . नो
२ ३ २

तार	
मध्य	ध प प रि स प ५ नि ५ . ५ ५ ध प
मन्द्र	

सू ध ता र हो क छ न न
१ २ ३ २ १

तार	
मध्य	ध ग स प ध स ग रि . ५
मन्द्र	

ना . हो जो . ला .
३ २

[७०]

नं० ६६.

राग जयजयवंति संपूर्ण.



चार ताल.

तार	
मध्य	रि रि गृ रि रि ग प म ग रि . ५ रि ५ गृ
मन्द्र	

म धे . . रा . त था . . ६
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	सु. ५	ल रि ५ ग रि
मन्द्र	नि	नि नि

. . स व . मृ . ग
१ ३ २

तार		स	स
मध्य	सु . ५	म पु नि	नि नि
मन्द्र			

द प्र फु ली . त कं ज
१ ३ २ ३ २

तार	स स . १	स रि ५ ग रि रि सु .
मध्य		नि
मन्द्र		

घ न पा . ल च न घ .
२ १ ३ ७

तार	स
मध्य	५ नि धु धु . पु धु मृ . गु रि १
मन्द्र	

ल . . म . घ न . .
३ २ ३

तार	स
मध्य	म स रि रि प प प प . १ ५नि
मन्द्र	
	त सो . ही . र सी क . रा .
	१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	धु . ५नि ध प म ग म ध ग म गु
मन्द्र	
	ज रा . ज त जा मं
	१ ३ २ ३

तार	
मध्य	रि . रि ५गु सु . ५
मन्द्र	नि .
	फ ३ . द

तार

मध्य

स रि ऋ ग रि रि सु० ५ स

मन्द्र

नि

५ नि

० ० ० ज न इ नं ० द
२ ३

तार

मध्य

मन्द्र

ध ५ नि ध प० ५ ग म ध नि

नं ० द न को ० ० रा
२ १

तार

मध्य

मन्द्र

सु० रि सु I स रि रि० ५

नि

ध ५ नि

धे की ० ० ० नो मा ० ध व
२ ३ २

तार	
मध्य	रि म प ध म ग रि रि रि ५ ग रि
मन्द्र	नि

आ . . . प भ इ
१ २ ३ ४

तार		स स स
मध्य	स	म प नि
मन्द्र	ध ५ नि . ५	

. . . स खा स खि भ
१ २ ३ ४

तार	सु . ५ सु रि रि ५ ग रि सु . ५
मध्य	नि
मन्द्र	

ये स खि स खा . भ ई
३ ४ ५ ६

तार | सु

मध्य | ५ नि ध ध ५ नि ध प म ५ ग रि

मन्द्र |

य शु म ती म ध न ग ५
१ २ ३

तार

मध्य | ५ ग रि सु . ५

स रि स

मन्द्र |

नि

नि

ग ज त
१

२

तार

मध्य | सु

रि ग रि ५ ग रि

मन्द्र |

ध ध ५ नि

नि

ता ल मृ द ग झा ज
२ ३

तार		रि स .
मध्य	सु . ५	नि ५नि ध ५नि
मन्द्र		
फ	ना . च त धै .	१ २

तार	
मध्य	धु . ५ ग म ग सु
मन्द्र	नि ध ५नि . ५
.	धै
३	२

नंबर १८.

राग केदार.

इसमें गधार वर्ज मध्यम दो. निषाद दो अतिक्रमल निषाद और
ताम्रतर मध्यमके वास्ते निशानी होगी बाकी सब शुद्ध स्वर.
ताल चारताल

तार	
मध्य	म रि स म प पु . ५ ध ५ नि ध प Δ म
मन्द्र	

स र म सी . स मो . र मू गू
३ २ २ १ ३ २

तार	
मध्य	पु . ५ Δ म पु धु . ध प म . १ प ध प
मन्द्र	

ट पा . . छ न को . रा . .
३ २ २ १ ३

तार	स
मध्य	नि धु . ५ Δ म पु धु . प म १ . ५
मन्द्र	

ज त . हं . . ड ल .
३ २ २

तार	
मध्य	<u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>पु</u> . ५ <u>प</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>लु</u> . ५
मन्द्र	

ल ल त कु टी ल
१ ३ २

अ ल क भा. ल
३ २ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५ <u>स</u> <u>स</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ॐ</u> <u>म</u>
मन्द्र	

वि शा ल
१ ३

ति ल क सु ग म द
२ ३ २ २

तार		
मध्य	<u>पु</u> . ५	<u>मृ</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>लु</u> . ५ <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र		

पे

नी के द ल पे
१ ३ २

म र स
३ २

तार		स स स स स
मध्य	म प पु . ५	प ध प
मन्द्र		

सी स भ घ य ध न के ने ग
२ १ ३ २ ३ २

तार	स स सु . ५	स म म रि सु . ५
मध्य		नि
मन्द्र		

फ म ल ना स की र आ
२ १ ३ २ ३

तार	स	३
मध्य	नि ध पु . ५	म प प ध ५ नि
मन्द्र		

ध र वि व द स न गुं
२ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	धु. ५ पध पसु. ५	सुपपु. ५ प
मन्द्र		

ज फं . ठकं धू ता म द म न को
३ २ २ १ ३ ४ ३

तार		
मध्य	निधपधपु. ५	पस रि स रि सु . ५
मन्द्र		

. . स्तू . म शो . भे झ ल के
२ २ १ ३ २

नंर १९

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रिस म . १ सु प पु पु Δ मु धु पु
मन्द्र	
	हो . री रे मो ह न हो . . . १ २ ३ २

तार	
मध्य	म . १ प ध ४ नि धु प ५ १ प ध सु .
मन्द्र	
	री रं . . . ग हो . . १ २ ३

तार		स . १ सु .
मध्य	प स रिसु . ४	सु प प प
मन्द्र		

तार		रि स
मथ्य	धु. ५ पध पसु सु. ५	सुपपु. ५ प
मन्द्र		

ज कं . ठ कं वू
३ २ २

ता म द म न को
१ ३ २ ३

तार		
मथ्य	निध पध पु. ५	पम रि स रि सु . ५
मन्द्र		

. . स्तू . म शो . भे श ल के
२ २ १ ३ २

नं० १९.

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रि स म . १ म प प पु ऽ म ध पु
मन्द्र	
	<div> <div>हो</div> <div>१</div> </div> . <div> <div>री</div> <div>२</div> </div> रे <div> <div>मो</div> <div>२</div> </div> ह <div> <div>न</div> <div>३</div> </div> हा <div>२</div> . . .

तार	
मध्य	म . १ प ध ४ नि ध प ५ १ प ध म .
मन्द्र	
	<div>री</div> . <div>रं</div> १ . ग हो २ ३

तार		स . १ सु .
मध्य	प स रि सु . ४	म प प प
मन्द्र		
	<div>२</div> . री का १ ल्ल ह म रे २ आ ३	

र	स रि	स म म
य	म . १	म प पु . ५ प
द्र		
	ग न मे २	गा . री १
		दे आ यो २
		सो ३
र	स	
य	ध ५ नि धु प	प म . ५
द्र		
	. . को २	. . री

नवर २०

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तात्रतर
याकाके सब गुद स्वर
ताल धमार

तार		
मध्य	म ग रि स सु . ५	रि
मन्द्र	नि	नि सु .
च ली ना . . र व न ठ ३ २ १ २		

तार		
मध्य	स स . ५५	रि गु
मन्द्र	गु . ५ म ध नि	नि
न हो . . . री ये ल न ३ २ १		

तार		
मध्य	म गु . ५ म ग . ५५ म धु म . गु . ५	
मन्द्र		
. . लि ये पी च . . २ ३ २		

तार	स रि	स म म
मध्य	म . १	स प पु . ५ प
मन्द्र		

ग न मे

मा . री

दे आ यो

सो

०

१

२

३

तार	स	
मध्य	ध ५ नि ध प	प म . ५
मन्द्र		

. . . को

. . . री

२

नवर २०.

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तीव्रतर
बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल धमाक

तार		
मध्य	म गृ रि	स सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि सु .
	च ली ना . . र	य न ठ
	३ २	१ २

तार		
मध्य	सु सु . ५५	रि गृ
मन्द्र	गु . ५ म ध नि	नि
	न हो . . . री	ते ल न
	३ २	१

तार		
मध्य	म गृ . ५ म गृ . ५५ सु धु सु . गु . ५	
मन्द्र		

[८८]

नंबर २१.

राग पुरिया.

तीन ताल.

तार		
मध्य	म गुरि सु सु सु सु	स सु सु रि
मन्द्र		नि
रा म घ द न म ति मौ जु वि लो . ३ २ १ २		

तार		
मध्य		स सु सु सु
मन्द्र	नि धु . ५ म धु धु	नि
क य शा र द को टि श शि न ३ २ १		

तार			
मध्य	सु रि रि	सु सु . ५ १ रि	
मन्द्र		नि नि	नि
	यु य गी २	मं ल	मा क्षि ३

तार			
मध्य		रि गु . ५ गु सु धु गु सु गु रि	
मन्द्र	नि नि		नि
	च ज्ञ २	र १	प थ ३

तार		सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु	
मध्य	सु ५	सु धु	
मन्द्र			

तार	रि
मध्य	नि नि धु . ५ धु मु मु मु गु मु धु
मन्द्र	

व . ल व
२

क . . कू म तिल
३ २

तार	रि	
मध्य	नि	धु मु मृ गु रि मृ गु . ५ रि सु
मन्द्र		

क ल ला टं . सु ह
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु सु सु सु	रि रि मृ मृ .
मन्द्र		नि नि

द य ह द य वि शो . . प क रं
२ १ २

तार	रि
मध्य	गु रि सु . ५ रि गु गु म धु नि
मन्द्र	नि

• क रु णा • म य न य न वि
३ २

तार	
मध्य	धु मु म गु रि म गु . ५
मन्द्र	

पा . . . टं
१ २

नंबर २२

राग पूरिया.

ताल तीनताल
तराना.

तार		
मध्य	रिं गू गू रिं रिं सु सु सु .५	रिं सु
मन्द्र	नि	

तों त न न त न त त न
३ २

दे रे
१

तार		
मध्य	सु सु .१ सु	सु
मन्द्र	नि धु १ धु धु नि	नि

ना . त न दे रे ना . त न
२ ३ २

ना
१

तार		
मध्य	रिं रिं रिं रिं सु सु सु रिं रिं सु सु सु	
मन्द्र	नि	

दे रे दे रे त न न नि ता न नि त त
२ ३ २

तार		
मध्य	सु . ५	रि सु
मन्द्र		नि . १ मु मु धु नि नि
न दे रे ना . त न न न दे १ २ ३		

तार		
मध्य		स सु स
मन्द्र	नि धु मु मु . ५	मु मु धु म धु
रे ना . . दे रे ना दी त ना . दी २ १ २ ३		

तार		
मध्य	स सु सु सु . ५	स १ रि रि
मन्द्र		धु धु नि
दी त न न ता दी दी . दी त न १ २ ३		

तार		
मध्य	मृ ग . १	रि रि गु गु गृ मृ मृ धृ
मन्द्र		नि

ना २ दी १ त न न न दी त न न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	मृ मृ गु गु गु . ५	मृ नि धृ मृ मृ मृ धृ
मन्द्र		

न न न न न दी १ दी २ त न न त
२ १ २ ३

तार		
मध्य	नि धृ मृ मृ मृ	गृ . सृ सृ सृ सृ सृ
मन्द्र		

दी १ दी २ त न न दी १ दी २ त न न न न
१ २ ३

तार		
मध्य	सुरिस १	मृमृरिगृमृधुमृ . ५
गन्द्र		

३ रे ना ३ रे ना दो त ना .
२ २

तार		
मध्य	निध मृधुगृगृ	सुसुसुसुगृगृरि रि
मन्द्र		

३ दो दो त न न द र द र द र द र
२ १

तार		
मध्य	सुसु	रिगृगृरिरिसुसुसु . ५
गन्द्र	नि	

दा नि तों त न न त न त त न
२ ३ २

तार		
मव्य	स ग . १	रि रि गु गु ग म म ध
मन्द्र		नि

ना २ दी १ त न न न दा त न न

तार		
मव्य	म म ग ग ग . ५	म नि ध म म म ध
मन्द्र		

न न न न न दी १ दी २ त न न त ३

तार		
मव्य	नि ध म म म	ग . स स स स स स
मन्द्र		

दी २ दी १ दी २ त न न न न न

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु	नि	
मन्द्र			

र द र तुं द र द र धि त्तां . तुं द
२ १

तार	सु सु सु	रि	
मध्य	नि नि	निधुधु धु धु मु धु नि धु	
मन्द्र			

र द र धित्ता . तुं द र द र धित्तां . तुं
२ ३ २

तार			
मध्य	मु मु मु मु	मु मु गु	गु गु रि रि सु सु
मन्द्र			

द र द र द र द द र द र दा नि
१ २

तार	स स स स
-----	---------

मध्य	ग ग ग ग ग ग म म ध ध
------	---------------------

मन्द्र	
--------	--

ना दि र द र द र त्रि ति ल न दी त न न
 १ २ ३ २

तार	स स . ५	स स स स	रि
-----	---------	---------	----

मध्य		नि नि नि
------	--	----------

मन्द्र	
--------	--

न दी त न न न नि त न सु
 १ २

तार	
-----	--

मध्य	ध नि ध ध म म नि	ध ध म म ध ग ग म ध
------	-----------------	-------------------

मन्द्र	
--------	--

नि त न - नि ता रे त न नि ता रे त न ना द
 ३ ३ १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु	नि	
मन्द्र			
र द र तुं द र द र धि त्ता १ तु द २			

तार	सु सु सु	रि	
मध्य	नि नि	निधुधुधुधुमुधुनिधु	
मन्द्र			
र द र धित्ता २ तु द र द र धित्ता ३ तुं २			

तार			
मध्य	मु मु मु मु	मु मु मु	गु गु रि रि सु सु ५
मन्द्र			
द र द र द र द १ द र द र द नि २			

नंबर २३.

राग कानडा संपूर्ण.

इसमें गंधार धैवत कोमल, निषाद दो, एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल
अतिकोमल निषाद के धास्ते निशानी होगा बाकी सब शुद्ध स्वर
ताल चार ताल.

तार		
मध्य	स म रि स रि . ५	
मन्द्र	नि	धँ धँ धँ ध

तु व . मुर त र . प रे
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य		स .
मन्द्र	५ नि प . ५ म प धँ धँ ५ नि . ५	

. स रं ग की . प नी
२ ३ २ २ १३

तार	
मध्य	स स . १ रि स सु .
मन्द्र	नि नि नि धु . ५

आ . ये . आ . ले री . .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	स रि रि १ रि गुँ . १ ध
मन्द्र	म प नि

ध न ध न ध न वि रं . च
१ ३ २ ३ २

तार			
मध्य	गुँ . १	ग म रि सु सु . ५	म प ध . १
मन्द्र			

त फा . री य ह न . सी .
२ १ ३ २ १ ३ २

तार	सु .	सु सु . ५	सु .
मध्य	नि	नि	नि
मन्द्र			

तु हि . औ . र रे . खी
३ २ २ १ ३

तार	सु रि सु .
मध्य	नि ध . १ ध नि ष . ५
मन्द्र	

. न ले . . . खी . ये
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग . १ ग म प ग रि रि सु . ५
मन्द्र	

तु व . प . र मे रि डा ई
१ ३ २ ३ २ २

तार	स
मध्य	स रि म प धं . १ नि ध
मन्द्र	नि

दे य लो . फ मे . ना . हे
१ ३ २ ३ २

तार	
मध्य	५ नि पु २ . ५ रि म रि स सु . ५
मन्द्र	

. . ना . री य ह
२ १ ३ २



[१०२]

नंवर २४

राग कानडा

ताल तीनताल

तार	
मध्य	सु . ५ सु सु सु सु सु
मन्द्र	धँ धँ नि नि
	सो . इ . क री म र ही म
	१ २ ३ २

तार	
मध्य	स सु स सु सु सु सु रि
मन्द्र	नि नि धँ ५ नि
	ह की म पा क ष र च र दि गा .

तार		
मध्य	सु ५ रि सु . ५	स ग मृ मृ प प
मन्द्र	नि	
	२	तु व जो मौ म न की इ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प प	मृ प ५ नि ५ नि प मृ रि सु रि
मन्द्र		नि
	छा सो पु ज वो . . . सा . २ १ २ ३	

तार		
मध्य	स स	स स रि मृ
मन्द्र	५ नि ५ ने	मृ प ध
	२ इ स दा रं ग को दी जे दी न २ १ २ ३	

तार		सु . १
मध्य	सु प ऋ नि ण	ऋ नि ऋ नि पु
मन्द्र		
	हु नी में . जो	वा . त
	२	१ २

तार	
मध्य	सुरिसु सुरिसु सु४रिसु . ५
मन्द्र	नि नि
 ये . . तु च
	३ २

नंबर २७.

राग कानऐकी बहार.

इसमें गवार दो शुद्ध और कोमल, धैवत दो शुद्ध और कोमल
निषाद दो शुद्ध और अतिकोमल, शुद्ध ध, ग, और अतिकोमल
नि के वास्ते निशानी होगी. चार्थे सव शुद्ध स्वर
ताल तीन ताल

तार	सु सु	
मध्य	नि नि ५ नि पु मृ रि सु रि	गूँ म
मन्द्र		
उ द त न द त न द या न रे दि ३ २ १		

तार	सु सु रि सु	
मध्य	प धूँ ५ नि ५ नि	धूँ . १
मन्द्र		
ता नो . दि त न न दे रे ना २ ३ २ १		

तार		
मध्य	धूँ धूँ ५ नि पु पु पु मृ ५ नि पु गु . ५	
मन्द्र		
दीं दी . त न न न दे रे ना २ ३ २		

तार	
मध्य	गु मु पु ङ गु . १ ग म सु सु सु सु . ५
मन्द्र	

ता . . . नों दोँ दोँ त न न न
१ ३ २

तार	
मध्य	सु . सु सु मु ऽ मु मु मु मु मु मु पु पु पु
मन्द्र	

दे र ना दे र ना द र द र त न न
१ २ ३

तार	मु . मु मु . ५
मध्य	पु ५ नि मु पु . ५ गु . गु
मन्द्र	

न दे रे ना दे र ना दे ३
२ १ २

तार	सु सु रि रि
मध्य	मृ णु ङ गृ मृ णु ङ नि
मन्द्र	

ना त दा नि त ग त् द र त द
३ २

तार	सु रि सु	सु
मध्य	५ नि ५ नि पु . ५ नि नि	
मन्द्र		

र दा नि त दा नि उ द त
१ २ ३

तार	सु	
मध्य	५ नि णु मृ रि सु १	मृ मृ मृ मृ णु णु
मन्द्र		

न द त न द . य ल लि य ल लि
२ १ २

तार	सु सु सु . ५	रि
मध्य	धूँ धूँ नि नि नि	५ नि
मन्द्र		

य ल लॉ य ल लॉ य लि
३ २

य ला
१

तार	सु रि सु सु . सु रि	रि
मध्य	नि धूँ धूँ नि	
मन्द्र		

य ला या ला . ले य ल ल ल ला
२ ३ २ १

तार	सु . ५ सु सु	
मध्य	नि . म सु पु म पु . पु म	
मन्द्र		

. ले उ द नि ता त दे रे ना शी
२ ३ २

तार		
मध्य	पु	५ नि ५ नि पु मृ रि रि सु . ५ सु सु
मन्द्र		

त न न न दे ना ना द
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु मृ मु मु मु मु मु मु मु मु मु	पु पु
मन्द्र		

रं द र तुं द र द र द र द र द र
२ १

तार		सु म
मध्य	पु पु पु पु पु पु ५ नि ५ नि पु पु पु पु पु पु	
मन्द्र		

द र द र द र द र द र द र द र धित्ता
२ ३

तार	रुरुरिसुसुम	रि सु सु .
मध्य		नि ५ निपु . ५
मन्द्र		

तुं द र द र ता रे दा नि त दा नि
२ १ २

नंबर २६.

फानडेकी बहार.

तीनताल.

तार		सु
मध्य	५ नि प सु प गु सु ५	धुँ नि नि
मन्द्र		

फे सी नि फ सी . चां . द नी
३ २ १ २

तार	सु ५	
मध्य	नि ५ नि नि पु म म म म	गुं
मन्द्र		

. . स र द रे न म द मा
३ २ १

तार		
मध्य	म म पु रि रि सु सु ५ म म पु पु धु	
मन्द्र		

. ती घो क ल भ रे पि ड पि ड टे
२ ३ २

तार		स सु ५
मध्य	मु पु ङ गु म ध नि नि नि	
मन्द्र		

. र त भा . मि नी . .
१ २

तार	सु सु सु लु	सु रि
मध्य	मृ मृ ५ नि धु ५ नि	नि
मन्द्र		

छि न आं . ग न छि न जा . त
३ २ १

तार	सु रि रि
मध्य	ध्रुं ध्रु ५ नि ५ नि पृ मृ मृ मृ
मन्द्र	

भु व न मे छि न वै ठ त छि
२ ३ २

तार		
मध्य	मृ	गृ मृ मृ पृ रि सु सु सु सु मृ
मन्द्र		नि

न टा . ऐ हु दी र त क ल न प
१ २ ३

नंबर २७.

राग कामोद.

इसमें दो मध्यम लगते हैं, एक शुद्ध दुमरा तीव्रतर, जय शुद्ध मध्यम लगे उसवक्त अवरोह करना, और तीव्रतर लगे उसवक्त आरोह करना, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी चासीके घर शुद्ध स्वर.

तानताल.

तार		
मध्य	० पु पु धु धु . पु	म . म पु धु Δ म पु गु
मन्द्र		

जा ने न चा । . गी रि मा ई , . धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	मृ रि सु सु रि सु . य	सु सु
मन्द्र		नि धु . नि नि

प ने या ल म फा । न . न न मे फ
२ १ २

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

२ रा खो प ल ख न
३ २

सुं . द
१

तार	
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि पु ५ पु पु धु धु . पु
मन्द्र	

सुं . . द . क रे . . जा ने न यो .
२ ३ २

तार		सु
मध्य	सु . सु पु धु ५ सु पु ५	सु सु पु पु
मन्द्र		

गी रि मा ई . .
१ २

ज घ आ वें ने
३ ४

तार	स सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल दि आ . प्र दि मो रे म द
१ २ ३ ४

तार	म म रि ५ रि स . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

र ले ५ ह य ल या .
१ २ ३ ४

तार	स रि	सु
मध्य	नि ध ष ष म ५ सु रि पु . ५	
मन्द्र		

. . शु . म शु म य रे
१ २ ३

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

र रा यो प ल ख न
३ २

सु द
१

तार		
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि पु पु पु धु धु . पु	
मन्द्र		

सु द क रे जा ने न यो
२ ३ २

तार		स
मध्य	स . ल प धु ५ सु पु ५	सु सु प प
मन्द्र		

गो रि मा ई
१ २

ज च आ वें ने
३ २

तार	सु सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे मं द
१ २ ३ २

तार	म म रि ५ रि सु . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

. र ले . ह य ले था .
१ २ ३ २

तार	सु रि सु
मध्य	नि ध प पु म ५ सु रि पु . ५
मन्द्र	

. . झ . म झ म फ रे .
१ २ ३

[११८]

नंवर २८.

राग कामोद.

ताल छप्ताल

तार		
मध्य	रि प प प प धु Δ मु प . पु . य	Δ म
मन्द्र		

गो रे व द न प . . र शा
१ २ ३ २ १

तार	सु .	
मध्य	प धु नि ध Δ स धु ऽ स ग रि . य	
मन्द्र		

. म . . धि टा . . ना . .
२ ३ २

तार	.
मध्य	रि प Δ म प ग म रि सु सु . ५
मन्द्र	नि

ति ल क . भा . ल श्री . र
१ २ ३ ४

तार	सु
मध्य	रि प ध प ग म सु रि सु . ५
मन्द्र	

सुं . . द . न . मा . रं
१ २ ३ ४

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	सु
मध्य	प प	नि ध
मन्द्र		

गा रे गो रे क र जा मे द रि हा
१ १ ३ २ १ २

तार	रि स	रि पृ ग म रि
मध्य	नि ध्र प . ५	नि
मन्द्र		

रि चुरि या .
३ २

पो छे ग ज र ओं
१ २ ३ २

तार	स सृ . ५	स
मध्य	रि प ध्र प	ग म स रि सृ . ५
मन्द्र		

वूं . . द . न . मा . ई
१ २ ३ २

नंबर २९.

राग शंकरा.

इसमें मध्यम वर्ज बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं ताल
चक्र चारताल. (आडा चौताल.)

तार	सु सु	
मध्य	ध नि . ५	प ग प ग ल सु . ५
मन्द्र		

चं डी .
२ ३

चं . ड सुं . ट
१ २ ३

तार		
मध्य	स . सु रिस . १	स
मन्द्र	नि ध	प ध प

दि . द ल म ली
२ ३ २ ३

म दि पा .
१ २

तार		
मध्य	स स स स रिस स सु . ५	ग ग ग
मन्द्र		

सु र सं रा र नी अ घ
३ २ ३ २ ३

म न को
१ २

तार	सु सु
मध्य	ग रि ग १ प ग ग सु . ५ ध
मन्द्र	

ग ती . दी . नी चं डी .
३ २ ३ २ ३

तार	स सु स स . १ स स
मध्य	नि ५ पु नि
मन्द्र	

सं त पा ल नी धौ र दी
१ २ ३ २ ३ २

तार	ग ग ग प पु ग . प ग रि सु . स
मध्य	नि
मन्द्र	

न ना . . . दु खी या न ती
३ १ २ ३ २

तार	सु	
मध्य	धु नि प ध नि १-४	प प ग ग
मन्द्र		

• • हु लो • क
३ २ ३

वि दी १ जै
१ २

तार		
मध्य	रि गु . प ग ग सु . १	
मन्द्र		

• • मी की • नी
३ २

नंबर ३०.

राग नट.

इसमें मध्य शुद्ध स्वर लगत है.

ताल त्रिनिताल

तार		
मध्य	सु .	स . १ रि गु
मन्द्र	नि	प १ १ ध ध
	.	१ . ङ टी . ङ २ .

तार		
मध्य	रि गु	१ नि ५ सुरि स . १ रि गु
मन्द्र		नि
	.	१ . टी २ व ती ३

तार		
मध्य	ग म	धु पु धु पु म ग . १ ग म ग रि . १
मन्द्र		
	या . २	व . १ . . ना २ ये . ३ . ०

तार	
मध्य	गु मु ष म गु रि सु सु . सु
मन्द्र	नि नि
	य . . ना . . ये . फ . .
	१ २ ३

तार			
मध्य	गु . १	सु सु . ५	रि . १ गु पु
मन्द्र		नि	
	. . र . त	हो	धे तो
	३	१	२

तार	सु .	सु . सु . १	सु .
मध्य	पु	नि	नि
मन्द्र			
	ह	मे	जा
	३	२	१

तार		
मध्य	ध प सु ष . प म ग म० रि ५	रि रि ग
मन्द्र		

२ . . . न त . . . तु म हो
३ २ १

तार		
मध्य	म पु म म० रि स	सू . रि स . ९
मन्द्र	नि	

२ जा . . . न त .
३ ३ १ २

तार		
मध्य	रि स . ९ सु रि	सु I
मन्द्र	प० प० नि	नि ध०

स र स ज ग . जा . . . न
३ २ १

तार	सु सु .
मध्य	गु मृ पृ पृ नि धृ पृ
मन्द्र	पृ ५ . ५

त हि य र सा हा य
२ ३ २

तार	
मध्य	मृ गृ गृ मृ रि सु रि सु रि सु । I
मन्द्र	नि नि

रा रे ता जा ना १
१ २ ३ ४ १

तार	
मध्य	ल
मन्द्र	नि धु नि ५

. [१२९]

नं० ३१.

राग मालवकौशिक.



इसमें रिषभ और पचम वर्ज गंधार धैवत और निषाद
अतिभोगल बानी के सब शुद्ध स्वर
ताल चारताल.

तार	स .
मध्य	सु गु म ध नि नि ध सु गु स . १
मन्द्र	

तार	
मध्य	सु सु ल म म ग म सु . ५
मन्द्र	ध नि

सा धे र ध गी . र धी . र
१ ३ २ २ २ २

तार		
मध्य	सु सु सु सु ध सु सु सु गु . ५	गु सु ध
मन्द्र		

लं क धी. श आ घ ध मा. न
१ ३ २ ३ २ २

सं ग स
१ ३

तार	स सु ग स	
मध्य	नि नि धु . ५	सु धु
मन्द्र		

या . अं ग द सु ग
२ ३ २ २

री .
१

तार		
मध्य	नि ध सु सु ग ग सु सु सु . ५	ग ग
मन्द्र		

. घ औ. र ह नू . मा. न
३ २ ३ २ २

र ह
१

तार	सु सु सु	सु
मध्य	म ध ध नि नि नि . ५	
मन्द्र		

स र ह स गा य त शु व ती
३ २ ६ २ २ १

तार	सु सु सु	सु म
मध्य	नि ध नि ध ध मु . ५	
मन्द्र		

ज ग वं ध न वि धा . न दे व
३ २ ३ २ २ १ ३

तार	ग सु सु सु सु ग सु	
मध्य	नि धु . ५	ग सु
मन्द्र		

कू सू म व र ख त ध न जा .
२ ३ २ २ १

तार	
मध्य	मृ धु नि ध म ग ग गृ मृ सु सु . ५
मन्द्र	

के . . र हे न म यि . मा न
३ २ ३ २ २

गंवर ३२.

राग मालवकौशिक.

तीन ताल.

तार		
मध्य	ग	सु . ५ १ मृ मृ
मन्द्र	नि नि नि धु नि	

धा द्या स्म र द म ना शं क
३ २ १ २

तार	सु
मध्य	ग म ध नि नि ध नि . ५ ध
मन्द्र	

रा ट म रु व र क रा ध
३ २ १

तार	
मध्य	म ग म ग सु . ५ ग
मन्द्र	नि नि नि ध

म ल नि धा ना धा धा स्म र द
२ ३ २

तार	सु १ सु सु
मध्य	म म म ध नि
मन्द्र	नि . ५

म फं टी ग र ल ने . श्री अ

नि धु नि	नि नि धु मृ गु १ मृ धु नि
----------	---------------------------

न ल शी	वी श	शि ध	रा रा	ड म	रु
२	१	२	३		

र	सु	नि धु नि	धु मृ गु मृ गु सु ५
---	----	----------	---------------------

मध्य	मन्द्र	व र क रा	अ म ल नि धा ना
		२	१

तार	गु	सु मृ गु ५
मध्य	नि नि नि धु नि ५	
मन्द्र	आ घा स्म	र द म
	३	२

भू ता त्मा
१ २ ३

तार		स. सु
मध्य	मृ ध. नि	ध. नि म.
मन्द्र		

प रा र्प रा म हे श्व रा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	गृ. मृ	स. १ मृ गृ म धृ मृ धृ नि धृ
मन्द्र		

मा व रा प्र व रा न व रा न व
२ १ २ ३ २

तार		सु स सु
मध्य	नि. ५	नि नि नि धृ धृ
मन्द्र		

रा डु स रा प रा -

तार		
मध्य	म मृ ग	ग स म मृ ग . ५ म धृ नि
मन्द्र		

रा दि ग य रा श फ रा ड म र
२ १ २ ३

तार	सु	
मध्य	नि धृ नि	धृ मृ ग मृ ग स ग
मन्द्र		नि

व र फ रा ध म ल नि धा ना धा धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य		स स ग स सु
मन्द्र	नि नि धृ नि . ५	नि

स्म र द म ध ह्या च्यु त यु त
२ १ २

तार		
मध्य	सु सु . ५ धु सु गु सु	धु धु . ५ नि धु
मन्द्र		

गा ती
३मु नि च र
२यो गा
१व रि
२

तार		सु	स
मध्य	सु धु नि नि . ५	नि धु नि	
मन्द्र			

व रि वा चे
३उ
२नि प र रा
१

तार	सु . ५ सु	सु
मध्य		नि धु सु नि धु नि धु
मन्द्र		

हे

गि
२

रि

च

र

म

हा

त्मा

अ पा
२

तार	
मध्य	स ग म ध ध ध धु णि . ध म
मन्द्र	नि

चा . ह त मु नि ज न . प्र स
१ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	मृ . ५	ग म ध नि नि नि . ५
मन्द्र		

ग प्र ग टी . र धू ना थ
१ ३ २ ३ २

तार	रि स	स
मध्य	नि . ५	नि ध म ग रि सु
मन्द्र		

च र न क र न सु ख यी
२ १ ३ २

तार		
मध्य	स ग म धु . ५	ग म ध नि
मन्द्र	ध नि	

हा . री
३ २

दी . नी .
१ ३

तार	स स	म सु . ५
मध्य	धु . नि नि	नि
मन्द्र		

नि धी वू द डा र
२ ३ २ २

तार	स रि स	सु .
मध्य	नि	नि नि धु म ग
मन्द्र		

अ रि अ न .
१ ३ २

ग सी स डा
३

तार		स मु गु . रि सु . ५ स रि
मध्य	म मु . ५	
मन्द्र		

र . . . ई . . . मृ त
१ ३ २

तार	सु स	
मध्य	नि ध मु . ५	ग म ग रि स . ७
मन्द्र		

म ध्य लो . फ सं . त न को
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	स ग म धु . ५	
मन्द्र	धु नि	

प्या . री . . .
३ २ २

[१४२]

नंबर ३४

राग बागेशरी



इसमें गधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल,
शुद्ध निषाद के वास्ते निसानी होगा बाबा के सब शुद्ध स्वर
ताल तीन ताल

तार		
मध्य	१ रि गु रि सु	रि स . १ स सु रि . स
मन्द्र		

को न ग त भ इ . ली . . मो
२ १ २ ३

तार		
मध्य		सु सु रि
मन्द्र	नि धु . धु	नि पु ५ ५ ६ नि

० . सी . . पि य न पू
१ २

तार		
मध्य	गुरिसुरिरि५५मुपपुधु.	स ग
मन्द्र		

. . . छे ए क . . वा .
३ २ १

तार		
मध्य	रिमृगुरिसु१रिगुरिसु	I . गु
मन्द्र		

. . . त . को न ग त . ए
२ ३ २ १

तार	सु . सु५ सु५५	
मध्य	मुधुनि ङनि	
मन्द्र		

क व न धं . . . इ
२ ३ २ १

तार	सू रि गु रि सु . सुरिसु . ५
मध्य	० नि
मन्द्र	

स क ल . व न . . . व
२ ३ २

तार	सू
मध्य	नि नि नि ध्र १ ध्र ध्र नि १ ध्र प
मन्द्र	

न . . आ ये . डा . . रे .
१ २ ३

तार		
मध्य	गु . रि गु सु . ५	गु म पु पु ध्र म गु रि सु
मन्द्र		

डा . . र . कर . . . पा . त .
२ २ २ ३

नगर ३०

राग सोहनी पाडव.



इसमें रिपभ अतिकोमल मध्यम तीव्रतर, पञ्चम वर्ण, निषाद तीव्र
आमाके सब शुद्ध स्वर है

ताल तीनताल

तार	सु	रि सु
मध्य	१ गु गु गु सु ध नि	नि
मन्द्र		

ये रि ज सो दा तु स ल रा ग
३ २ १

तार	रि रि सु ५१ रि सु रि सु
मध्य	नि नि नि ध
मन्द्र	

ल रा द ते रे कु म र ने
२ ३ १

तार	सु	
मध्य	सु धु नि धु नि	नि . ५
मन्द्र		१ गु गु

धु म म या . . ई का उ
१ २ ३

तार	सु रि सु रि	
मध्य	गु सु धु नि नि	नि नि
मन्द्र		

के खि र से म ट की या द ध क्रि
२ १ २

तार	सु सु १ रि सु रि सु	
मध्य	नि धु धु	सु धु नि
मन्द्र		

लि नि का उ के खि र से य ग रि या
३ २ १

तार	सु	१	गु	रि	सु
मध्य	नि	नि	धु	नि	नि

मन्द्र					
	दू	रु	फा	ई	वि च ड

तार	गु	रि	सु	रि	सु	रि	रि
मध्य		नि		नि			

मन्द्र							
	ग	र	मो	से	नि	प	ट त न

तार	सु	सु	१	रि	सु	रि	सु
मध्य	नि					नि	धु धु
मन्द्र							

तार	सु	
मध्य	सु सु ध नि धु नि	नि . ५
मन्द्र		

वि ज कि लु गा . ई
१ २

नंबर ३६

राग हिंडोल ओडव.

इसमें रिषभ पंचम वन मध्यम ताव्रतर बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार	सु .	
मध्य	स ग म ध नि ध म म ग स	
मन्द्र		ध

शा म मो सो रे लो न हो
१ २ ३ ४

तार		
मध्य	स स . १	सु . स ग
मन्द्र		नि ध म ध
	री	पा . . ला गो . क
		१ २

तार	स	
मध्य	ग म ध स ग म धु . ५	स ध
मन्द्र		
	र जो . . री . . .	गै या
	३ २	१

तार	स स स	
मध्य	ध नि सु . ध ध धु . ५	ध
मन्द्र		
	व रा . . व न	मै नि क सी
	२	३ २

तार

मध्य सु . म् . १ म म म म म म ग Δ म ध

मन्द्र

क से जा उ आ ली . . . नि क
१ २ ३ २

तार सु . ५ ५ रि

मध्य नि नि Δ म ध Δ म

मन्द्र

मी न न द धी
१ २

तार

मध्य गु म गु म ग १ रि गु म . ५ Δ म

मन्द्र

नि

. . चा . री ल ल हो वा
३ २ १

तार	सु सु सु . सु सु . १	रि
मध्य	धु	नि .
मन्द्र		
. दी न को ड र मे रे २ ३ २ १		

तार	ग रि सु ११ रि	
मध्य	नि नि ध	△ म
मन्द्र		
री दी या म . . २ ३ २ १		

तार	सु . सु सु . १	रि
मध्य	ध △ म ग म .	नि
मन्द्र		
. . . ता री नी या . २ ३ ४ १		

तार	
मध्य	निध Δ मध ग म ग १ रि ग म ० ५
मन्द्र	नि

ह म रो . . . रो ला ल हो .
० ३ ३

नंगर ३८
राग ललीत

तीन ताल

तार	
मध्य	गु रि गु म गु रि रि गु म म Δ म
मन्द्र	नि

पि या पि या क र त प पी य रा
३ ३ ३ १ ०

तार	सु सु रि
मध्य	गु मू . ५ Δ मू धु Δ मू धु नि
मन्द्र	

. . उ ड रि का य लि था क
३ २ १

तार	
मध्य	नि धु Δ मू धु Δ मू मू गु . ५ Δ मू धु Δ मू धु
मन्द्र	

व न दे . स मो रे पि या को मि
२ ३

तार	सु रि
मध्य	नि नि नि धु Δ मू नि धु Δ मू
मन्द्र	

ल ना . . क य . . हो .
२ १ २

तार		
मध्य	मृ . मृ मृ मृ मृ मृ मृ	गृ रि गृ मृ गृ
मन्द्र		

आ घ न सु नी पी च म म न र
३ २ १ २

तार		सृ सृ सृ रि
मध्य	रि सु . ५ मृ धृ मृ धृ	
मन्द्र		

ग का न ग न भ ये स व घ
३ १

तार		
मध्य	नि नि मृ धृ मृ गृ मु . ५	
मन्द्र		

र के द्वि य रा .
२

[१५७]

नं० ३९.

राग चसंत.

—०.००—

इसमें रे, ध अतिमोमल म दो शुद्ध, तानंतर शुद्ध म के वास्ते
निशाना होगी, बासोंके सब शुद्ध स्वर आरोह में पंचम वर्ज.

तीन ताल.

तार		
मध्य	१ मृ धु नि . २ ध पु . ५	धु मु पु मृ गृ
मन्द्र		

पि या . मं ग मे
३ ० १

तार	स . ५ ५	रि सु
मध्य	स ग . १ मृ धु	नि
मन्द्र		

. . लो . री य र न
२ ३ २ १

तार	रि सु सु.५ सु
मध्य	नि ध नि ध पु.५ सु सु
मन्द्र	

व र न के व स न प र कु ल .
२ ३ २

तार	
मध्य	ध नि नि ध सु गु . ५ म गु रि सु . ५
मन्द्र	

व न के ह र वा गुं दे गुं दे
१ २ ३ २

तार	सु .
मध्य	स ध नि नि ध प १ सु धु नि . ५
मन्द्र	

डा रि हो . ग र वा पि या .
१ २ ३ २

तार	
मध्य	ध पु.५ धुमु पु मु गु मगु.१ मु
मन्द्र	

सं ग रो . . . लो
२ १ २ ३

तार	स.५५	ससुस.सु
मध्य	धु	१.मु धु
मन्द्र		

. रो तै सो हि व सं त
२ १ २ ३

तार	सुसुसु.५	सुसुसुसुसु सुसु
मध्य		नि
मन्द्र		

उ प जे स य के म न उ ल सा
२ १ २ ३

तार	रि	सु I सु	रि गु
मध्य	नि	नि धु नि . ५	
मन्द्र			

. . . लि नो म न्वा थ त
२ १

तार	गु . रि	सु रि रि सु सु	
मध्य	नि	नि नि धु धु	
मन्द्र			

दि . छा व प री . . . ला . मो
२ ३ २

तार		सु सु	
मध्य	मु मु धु . ५	नि धु नि धु पु	
मन्द्र			

. . रा . जी ह र वा . .

राग कालंगडा संपूर्ण.



इसमें रिषभ, धैवत अतिमोमल, निषाद दो शुद्ध और अतिमोमल
शुद्ध निषादके चास्ते निधानी होगी. बास्रके सब शुद्ध स्वर है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	नि धु पु मु ग ग म प	धु धु पु १ १ स
मन्द्र		

मा . नि . तुं ह र सो ड र रे . सुं
३ २ १ २ ३

तार		सु रि रि सु
मध्य	ग म ङ नि धु	धु धु पु धु नि
मन्द्र		

फ्या र हा नि ड र रे . . .
२ १ २

तार		
मध्य	नि धु पु मु पु ५	म म म म म म ग
मन्द्र		

. गा फि ल म त रे वे
३ २ १

तार		
मध्य	गु गु गु मु पु धु धु धु धु पु धु पु मु	
मन्द्र		

त स वे . रा म न में रा ख फि क र
२ ३ २ १

तार		स	१ रि सु रि
मध्य	पु १ १ प धु धु नि	नि	
मन्द्र			

रे . . जो फ छु क रे वे ग तू .
२ ३ २ १

तार	रि	सु. ५	सु सु
मध्य	नि	पु पु	नि धु धु
मन्द्र			

फ र ले
२

शि र प र का ल ज
३ २

तार	सु ५	
मध्य	धु धु पु पु धु नि	नि
मन्द्र		

य र रे . . .
१ २

यह अंतरे उपरके भजनके अंतरेके माफक गाना.

खाल गोरे तनपर भूहा तन जायेगा जररे ।

यमके दूत पकरकर घीये काटे बहुत कसररे ॥

तुज धूल भभू पद् नाना चढ भजसागरसे तररे ।

हर भज हर भज हर भज प्राणि हरिका भजन नू कररे ॥

नजर ४१

राग परज संपूर्ण.

इसमें रिपम, धैवत अतिक्रम मध्यम दा गुद और तीव्रतर तीन
तर म के वास्तु ज्ञानी होगी बारीके सब गुद स्वर है

ताल धमार

तार	सु
मध्य	नि ध पु पु . ५ नि धु . प ग म ग ५ . ५
मन्द्र	

ला ल गु ला ल जि . न डा . रो .
 १ २ ३ २

तार	स रि रि
मध्य	रि ग Δ म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

व र जो रि न क रो र धु नं .
 १ २ ३ २

तार	सु I	रि स रि स
मध्य	नि धु . ५ ध नि	
मन्द्र		

. . द न छो . डो जि हा .
 १ २

तार	स
मध्य	नि ऽ म ध नि ध ऽ म धु . ५
मन्द्र	

त ह मा . रो . . .
३ २

तार	
मध्य	स ग ऽ म प पु . ५ म ध नि नि . नि ध
मन्द्र	

अ क गं रो न मु र क जा . य र
१ २ ३ २

तार	स	स
मध्य	नि . ५	ध नि ध प मृ गु ऽ म ध
मन्द्र		

इ या छ . ट जा . य क च
१ २ ३

तार	स	रि ग ग रि ऽ म
मध्य	नि . ध नि . ५	नि
मन्द्र		

वा रो
२

रा म स खे धा रे
१ २

तार	ग रि ऽ रि स रि सु .
मध्य	नि नि धु . ५
मन्द्र	

पे . या प र त मं रो
३ २

तार	रि स रि स
मध्य	ध नि नि धु ऽ मु ऽ म
मन्द्र	

घु ग ट प ट न ड
१ २ ३

तार	सू.	
मध्य	ध नि ध	नि Δ म धु. ५
मन्द्र		

धा . रो
२

नंबर ४७.

राग विभाम ओढव.

इसमें निषाद और मध्यम वर्ण, रिपन और धैवत अनिकोमठ
बोझने सब शुद्ध स्वर है
नाल सुरफायता.

तार		
मध्य	गु रि स स . १ स रि सु स	स
मन्द्र		धु. ५

गा य न री धा . . गु रु फं
१ ३ २ २ ३ १

तार		
मध्य	रि ग प प धु पु ग रि स . १	स ग प
मन्द्र		

जा गव्यो . . . रे सा ध ले
३ २ २ ३ १ ३

तार		सु
मध्य	रि ग प प धु . ५	ध पु ग रि स स
मन्द्र		

हो . . त म तौ ग जा मे . य र
२ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार		सु सु रि स . १
मध्य	सु . ५	ग ग प ध
मन्द्र		

त ग र स्थिति मू मी र न
३ ७ २ ३

तार	स स स रि रि स	
मध्य	प ध	ध पु . ५ ग ग
मन्द्र		

जे . गू नी क री या . . त त व
१ ३ २ २ ३ १

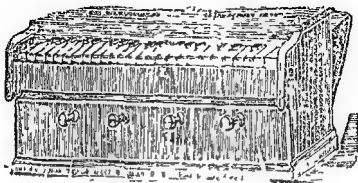
तार	स रि ज	
मध्य	प ग प प प ध ध . १	ध १
मन्द्र		

ह व ज त अं ग के रं ग के . .
३ २ २ ३ १ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स सु . ५	
मन्द्र		

. . शे त
२ ३

विज्ञापन.



गांधर्व महा विद्यालय म्युजिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लाइंग कं० के
कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (वीणा), मध्यमादि
वीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा बॉक्स, दिलरुबे,
ताउस, फोडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग,
ये सब वाद्य तयार होते हैं.

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रुपये.
१. सिंगल हारमोनियम हातवाला	३५—७५
२. डबल ,,	५०—१००
३. डबल कन्सर्टलटयूनका	१७५—२२५
४. ट्रीबल ,,	२५०—३५०
५. डबलरीड हारमोनियम हात और पैरवाला		१५०—३००
६. ,, पैरवाला ,, कन्सर्टरीयलटयूनका	२७५—३५०
७. ट्रीबल पैरवाला हारमोनियम	३५०—५००
तंबोरा, सतार, दिलरुबा इत्यादि	३०—१५०
तंबोरा बास्य	१५—६०

मनेजर — गांधर्व महा विद्यालय म्यु. इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लाइंग कं०

गेडवर्स्ट रोड, - बम्बई

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालये में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर

आज तक जो किताब तयार किई उनके नाम और र्निमत.

	भाग	रु	आ	॥
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	१
महिला संगीत हिंदी	२	०	४	१
संगीत तरवदर्शक	१	०	८	०
अंकित अलंकार	१	०	८	०
हारमोनियमप्रकाश हिंदी और उर्दू	१३	०	४	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग	२	१	०	०
स्वरपालाप गायन	१४	५	८	०
राग प्रवेश	११३	११	०	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
" " द्वितीय		३	०	०
राग भैरव		२	०	०
राग भावकम		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक		१	०	०
सतारकी पुस्तक	१२	३	८	०
नारदीय गिम्हा भाषा टीका समेत		१	०	०
भजनामृत रहस्री	१५	२	८	०
राम नामावली		०	२	०

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलि या मिलेंगी

मनेजर

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसाद ॥

संगीत बालबोध

अर्पण

(तारमोनिवम प्रकाश.)

ॐ द्वितीय भाग. ॐ

संपादन, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पल्लुस्कर.

गायनाचार्य, गान्धर ऑफ इण्डियन म्युसिक, मिनिगॉन्स,


गांधी मैदा विद्यालय—पुनर्दे द्वारा रचित


सन १९०१.

इस पुस्तक में संगीत के अनेक अतिरिक्त पृष्ठों के
अन्वय प्रकाशित किया है

मुद्रिका [प्रती १०००] मुद्रक १९०५.

"गांधी मैदा विद्यालय" द्वारा, गान्धर ऑफ इण्डियन म्युसिक



 हमारे यहां के लेखनपद्धति (नॉटेशन सिस्टम्) को
समजने के लिये संगीत तत्त्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.



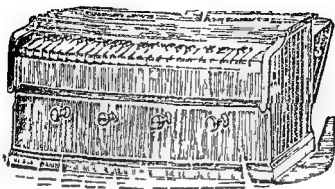
प्रस्तावनिका.

इस संगीत बालबोध द्वितीय भाग में प्रातः काल से ले कर सायंकाल तक जो प्रगल्भ २ राग हैं वह प्रकाशित किये गये हैं। इस पुस्तक को पढ़ने में तथा इन में शिखे हुये गायनों को और सा, री, ग, म, को याद करने में दिन के रागों का उत्तम प्रकार का ज्ञान हो सकेगा इस लिये प्रेमीयों से कथन है कि वह उक्त बातों पर ध्यान देकर इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे.

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पटुस्कर,

विज्ञापन.



गार्थर्व महा विद्यालय म्युझिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं० के
कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (घीणा), मध्यमादि
घीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा यॉन्स, दिलरगा,
ताउस, फीडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग,
ये सब वाद्य तयार होते हैं

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रुपये.
१ सिंगल हारमोनियम हातगा		३५—७५
२ टबल		५०—१००
३ डबल कक्षरल्यूना		१७५—२२५
४ टीबल		२५०—३५०
५ डबलरीड हारमोनियम हात और पेरवाला		१५०—३००
६ ” पेरवाला , कपरीयल्यूना		२७५—३५०
७ ट्रिपल पेरवाला हारमोनियम		३५०—५००
तबारा, सतार, दिलरगा इत्यादि		३०—१५०
तंबोरा याफ्फ		१५—६०

मैनेजर — गार्थर्व महा विद्यालय म्यु इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं०

अनुक्रमणिका.

राग.	चिजो के नाम.	ताल.	पृष्ठांका.
भैरव संपूर्ण.	प्रथम आदनाद	विलंबीत चारताल.	१
"	जागो त्रिजराज	द्रुत चारताल.	१२
"	आज नंदलाल	झपताल.	१९
"	प्यारे मैरो	तीनताल	२५
"	आज मिल सब	धमार.	२७
तोड़ी.	काकरिया जिन	तीनताल.	३०
"	तराना-नादईतों	द्रुत चारताल.	३२
"	दुर्गे आदभवानी	झपताल.	३५
आसावरा.	कीन रिझावन	तीनताल.	३७
"	सखेरी जा दीन	धमार.	४०
विलावल.	प्रवलही शाम	झपताल.	४३
"	चारसाले त्रिये	"	४६
"	तुंहि आदनाद	चारताल.	४८
सिंदोरा संपूर्ण.	आवत है ब्रोज	धमार.	५२
सुवासुधराई.	बल्मारे बूनरिया	तीनताल.	५४
"	तराना दीईमनादेरे	"	५८
भैरवी संपूर्ण.	सारेगम	"	६१
भैरवी छायाला०	गुंदर सरूप जाके	द्रुत चारताल.	६४
छा० भैरवा संपूर्ण	धन्य दीन	तेवर.	६७
सारंग ओटव	मधुमदन मन	झपताल.	७१
गौड सारंग	तराना-ननातनों	द्रुत चारताल.	७४
भीमपलासी	साडे नाल बामना	तानताल.	७६
"	ये सखी नंदपुंजर	चारताल	७९
मुलतानी	बाजत बघाई	तीनताल.	८६
मिल गंशंग	कानाने ऐसारे	"	९०
बापी संपूर्ण	सारेगम	"	९२
गौड महार	आइ बदरिया	"	९५
मालव, पाडव	सारेगम	"	९७
पूरी	दरीये मै बां	"	९९
धीराग	गौरी अरधंग	"	१०२
धंकरा कल्याण	आद महादेव	मुरषावना.	१०४-१०८
		शुमरा.	

रथगुरु दत्त प्रमथ
राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैरव अर्द्धकोमल, धोही के सब शुद्ध स्वर.

ताल विलंबित चारताल

तार		
मध्य	ग म म प . ५ ५	धे धे प म प म ग . ५
मन्द्र		

प्र ध म

धा .

द

२

२

१

३

२

३

तार		
मध्य	ग मुरि . ग प म . ५	म धु ग . मुरि . ५
मन्द्र		

मा

. द

प्र

२

२

१

३

२

तार		
मध्य	सु . ५५ रि रि स	सु .
मन्द्र	नि धूँ धूँ . ५ धूँ	
	ह्य ३	जो २ जा . २ सो १ भ १

तार		
मध्य	सु . सु . सु . ५५ रि ग ग प . ५५	
मन्द्र	नि	
	यो ३	. २ हे ३ स व हि . २ २

तार		
मध्य	सु गु सु . रि स	सु ५ गु म म
मन्द्र	नि	
	वी . १ ३	. स्ता र २ . ३ प्र . थ २

तार		स सु. ५ सुस	
मध्य	प. ५५	म ध नि	नि
मन्द्र			

म २ श र प य न धा न पा
२ १ ३ २ ३ २

तार	स सु. ५, स	स. ५५
मध्य		नि धु. नि धु.
मन्द्र		

२ नि १ र ३ २ धा

तार	रि स सु.	
मध्य	नि ध ध प. ५, म प ध ध	
मन्द्र		

मा पा . . मा . ५ ग री र
१ २ ३ १ ३ २

तार	सु	
मध्य	धूँ . ५ धूँ धूँ पु . ५	गसधुगु . सु
मन्द्र		

. चो फ . र ता
 ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	रि . १ सु सु ५	गससप . ५ ५
मन्द्र	नि	

. र . . म . ध म
 २ ३ २ २

तार	
मध्य	धूँ धूँ पु म पु म गु . ५ गु मुरि . गु पु
मन्द्र	

वा . . . द . ना
 १ ३ २

तार	.
मध्य	मु . ५ ज धु गु . मु रि . १ सु . ५ ५
मन्द्र	
	द धं . . २ ल

तार		
मध्य	रि रि सु सु .	स .
मन्द्र	नि धुँ धुँ . ५	धुँ
	जो . जा . . सो .	म यो

तार	
मध्य	सु . सु . ५ ५ रि गु गु ण . ५ ५ ल
मन्द्र	नि
	३ . द म य दि १ ३

तार	सु	
मध्य	धुँ०५ धुँ धुँ पु०५	गस धुगु०मु
मन्द्र		

३ चो फ . र ता
२ २ १ ३

तार		
मध्य	रि०।स सु०५	गससप०५५
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
२ ३ २ २

तार	
मध्य	धुँ धुँ पु सु पु सु गु०५ गु सु रि० गु पु
मन्द्र	

आ . . द . ना
१ ३ २

तार

मध्य सु . ५ ल धु गु . मु रि : १ सु . ५ ५

मन्द्र

१ धं . . . २ त

तार

मध्य रि रि सु सु . सु .

मन्द्र

नि धुँ धुँ . ५ धुँ

जं . जा . . मो . म यो

तार

मध्य सु . सु . ५ ५ रि गु गु ष . ५ ५ सु

मन्द्र

नि

१ . . २ न ष दि १ ३

तार	
मध्य	गु मु . रि सु सु ५ गु म म पु . ५ ५
मन्द्र	नि

स्ता र
२

प्र थ म
२

तार	सु सु . ५ सु सु सु सु . ५
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३ २

आ श्र पा नि
३ २ २

तार	सु सु . ५ सु सु सु सु . ५
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३

आ श्र पा नि
२

तार	सु .	सु . ५५ रि सु	
मध्य	नि धु . नि धु .		नि
मन्द्र			

ध ३ . . . श्री १ मा या २

तार	सु .	
मध्य	धूँ धूँ पु . ५	स प धु धु धु
मन्द्र		

मा १ गृ टी २ ३ .

तार	सु	
मध्य	धु धु पु . ५ गु मृ धु गु . मु रि . ५ सु	
मन्द्र		

नी क . ४ गा र
२ ३ २

तार		
मध्य	सु ५ गं मं मं पु . ५ ५	ग म म
मन्द्र	नि	

प्र २ थ ५

प्र . थ
२

तार		
मध्य	पु . ५ ५	ध ध प म प म ग . ५ ग म
मन्द्र		

म

आ
१

द .
३

ना

तार		
मध्य	रि . ग प म . ५ म ध ग . म रि . १	
मन्द्र		

द

प्र .
२

तार	.
मध्य	सु. ॐ ॐ रि रि सु सु.
मन्द्र	नि ध ध ॐ ध
	स ३ जो . जा . सो भ २

तार	
मध्य	सु. सु. सु. ॐ ॐ रि गु गु पु. ॐ ॐ
मन्द्र	नि
	यो . . हं म य दि . २

तार	
मध्य	सु गु सु. रि सु. ५ सु गु सु. रि सु. ५
मन्द्र	
	पि . . स्तार २ पि . . स्तार २ १ ३ २ ३ २

तार		स सु . ५
मध्य	गु मु मृ पु . ५५	म ध नि
मन्द्र		

प्र . ध म
२

शब्द प ध न
१ ३ २

तार	सु स सु सु . ५	सु सु . ५
मध्य	नि	म ध नि
मन्द्र		

आ श पा . नि
३ २ २

शब्द प ध न
१

तार	सु सु सु सु . ५	
मध्य	नि	नि ध . नि ध .
मन्द्र		

आ श पा नि ध र . .
३ २

तार	सु . ङ ङ रि सु सु .
मध्य	नि धूँ धूँ प . ङ
मन्द्र	
श्री मा या . मा . ६	

तार	सु	
मध्य	मु प ध ध ध . ङ ध ध प . ङ	ग
मन्द्र		
ख छी र . . छी क . र ता		
२ २ १		

तार	
मध्य	सु धु गु . मु रि . इ सु सु ५ गु मु धु
मन्द्र	नि
. . . . र . . ता .	
३ २ ३ २	

तार		सु सु
मध्य	गु मृ मु पु . ५५	म धृ नि
मन्द्र		

प्र . थ म
२

शब्द प व न
१ ३ २

तार	सु सु सु सु . ५	सु सु
मध्य	नि	म धृ नि
मन्द्र		

आ श पा . नि
३ २ २

शब्द प व न
१

तार	सु सु सु सु . ऋ सु	
मध्य	नि	नि धृ . नि
मन्द्र		

आ श पा नि ध र .
३ २ ४ १

तार	१		
मध्य	गु मृ पु गु मृ रि गु मृ मृ पु .	गु गु म	
मन्द्र			
	के . दु ला .	रे . . .	ज मु ना
	२ ३	२ २	१ ३

तार	सु सु सु	सु रि सु	
मध्य	ध नि नि	नि	नि
मन्द्र			
	मं गं	द डा र	ग्या ल घा ल
	२ ३	२ २	१ ३ २

तार	सु	सु रि सु	
मध्य	ध ध पु म	प ध नि	नि
मन्द्र			
	रे .	का . लि .	दु मु
	२ २	१ ३	२ ३

तार		
मध्य	धु धु नि धु धु पु	मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र		
का . र दे . त शा म ही ए क का ३ २ २ १ ३ २ ३		

तार		
मध्य	मु रि गु मु मु पु ५	मु . गु रि सु सु
मन्द्र		
. . रे . . जा . गो वि ज २ २ १ ३ २		

तार		
मध्य	रि सु सु सु सु	मु . गु रि सु सु रि सु
मन्द्र		
रा ज कुं घ र जा . गो वि ज रा ज ३ २ २ १ ३ २		

तार	
मध्य	सु सु सु सु रि गु मु पु गु मु रि गु सु
मन्द्र	

रु ध र नं द के . डु ला . . रे .
* ३ २ २

तार	
मध्य	मु पु ४ मृ . गु रि सु सु रि सु सु सु
मन्द्र	

. . जा . गो ग्रि ज रा ज कुं घ
१ १ २ ३ २ २

तार		सु	सु सु
मध्य	सु	गु गु म ध नि	नि
मन्द्र			

र ज मु ना में में . द डा र
१ ३ २ ३ २ २

तार	सु	सु सु	सु रि
मध्य	गु गु म धु नि	नि	नि
मन्द्र			

ज मु ना में गें . द डा र ग्वा ल या
१ ३ २ ३

तार	सु	सु	सु रि
मध्य	नि	धु धु पु मु	पु धु नि
मन्द्र			

ल हा . रे . . . फा . ली . .
२ १

तार	सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र	

यु भु फा . र रे . त शा . म दि ए फ का
३ २

तार		
मध्य	मु रि गु मु मु पु ५	मु . गु रि सु सु रि
मन्द्र		

रे . जा . गो घ ज रा
२ १ ३ २ ३

तार		सु सु
मध्य	सु सु सु सु	गु गु म ध नि नि
मन्द्र		

ज घ व र ज मु ना में में द डा
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	सु	सु सु सु
मध्य	गु गु मु धु नि नि नि	
मन्द्र		

र ज मु ना में में द डा र ग्या
१ ३

तार	सु रि सु सु सु
मध्य	नि धु धु पु मु पु धु नि
मन्द्र	
	ल वा ल हा रे का . ली
	२ ३

तार	रि सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु मु धु पु धु मु
मन्द्र	
	वु भु फा र दे त शा . न दि ए
	२ ३

तार	
मध्य	पु गु मु रि गु मु मु पु ५
मन्द्र	
	व पा रे .

राग भैरव.

ताल झपताल

तार		
मध्य	स स ग म प प ग म	प प ध्र नि
मन्द्र	नि	

आ ज नं द ला ल म रि प्रे म मा द
३ २ ३ ७ १ २ ३

तार	स रि सु सु	
मध्य		नि ध प ग म म प पु १
मन्द्र		

क रि ये स ग ल ल ना लि रे
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म नि ध प ग म रि रि स	ग म म
मन्द्र		

ज म न ति य रे च र न फो लि

तार	स स स स	स स
मध्य	ध ध नि	धँ धँ नि
मन्द्र		

के स र क म ल मा ल ती .
३ २ १ २

तार	रि रि स स	
मध्य	धँ	ध ध प ग म प प ध
मन्द्र		

स ध न व न मा द सु गं ध
३ २ १ २ ३ २

तार	स रि स स	
मध्य	नि	धँ धँ ग म रि रि स
मन्द्र		

सी . त ल स मी . रे . व र न
१ २ ३ २

तार		
मध्य	प प प ग म प प ध ध प	प प प ध ध
मन्द्र		
मे . घ धौ प फ व र न कु ण र स १ २ ३ २ १ २		

तार	स	
मध्य	नि ध ध प	प ध ध प प ग म म
मन्द्र		
मा ते . रा . ग पौ . च म सो ३ २ १ २ २		

तार		
मध्य	प प	ग म नि ध ध ग ग ग रि स
मन्द्र		
हे कु टि ल ह ल का . न १ २ ३ २		

तार	स	स	स
मध्य	सु	स	ध ध नि नि
मन्द्र			

ए क मु स जो . र स की ध र र
१ २ ३ २ १ २

तार	स	रि	रि	स	स
मध्य			ध	प	प ग म पु ध नि
मन्द्र					

हि . ध्या न स व आ प नो . लाल चि
३ २ १ २ ३ २

तार	स	
मध्य	ध ध प म ग म म रि स	
मन्द्र		

त चो र पा ये व ने .
१ २ ३ २

तार	सु
मध्य	सु सु गु म पु पु गु म पु पु ध नि
मन्द्र	नि
धा . ज नं द ला ल स खी प्रे म मा द क १ २ ३ २	

तार	रि सु सु
मध्य	नि ध पु गु म म पु पु ५ गु
मन्द्र	
पि ये सं ग ल ल ना . लि ये . ज १ २ ३	

तार	
मध्य	म नि ध पु गु म रि रि सु गु म म ध
मन्द्र	
म न ति य रे . व र न फ्र . लि के २ १	

तार	सु सु सु सु . सु सु रि रि
मध्य	धु नि धु धु नि
मन्द्र	

स र क म ल मा . ल ती . स ध
२ ३ २

तार	सु सु	सु
मध्य	धु धु पु गु म पु पु धु नि	
मन्द्र		

न व न मं . द सु गं . ध सो .
१ २

तार	रि सु सु	
मध्य	धु धु गु म रि रि सु	
मन्द्र		

त ल स मी . रे . व र न

राग भैरव.
तीनताल.

तार	
मध्य	१ गु मु मु रि सु सु सु रि रि सु सु
मन्द्र	नि

प्या रे मे को ला ग ली अ जि मो री
१ २ ३ ४ ५

तार	
मध्य	सु सु सु सु रि रि सु गु मु
मन्द्र	धु धु धु नि

अ य हि ने क प ल ग ह प क निसा
१ २ ३ ४

तार	स
मध्य	पु पु धु नि धु धु पु पु गु मु पु धु पु
मन्द्र	

सा रि ज गी ज गा इ तु नि अ द न ज गा
१ २ ३ ४

तार		
मध्य	धु धु पु मु पु	१ गु मृ मृ रि स गु मृ पु
मन्द्र		

चो प्या . रे मै को ध व न

१

२

३

तार		
मध्य	धु पु धु धु पु मु पु	१ मृ मृ मृ पु धु धु
मन्द्र		

ज गा घो सो घ न दे मो हे

२

१

२

तार	सु सु सु सु सु सु सु	सु
मध्य	धु नि	धु धु धु
मन्द्र		

आ नं द भु व न ग रे ला गों गी तो

३

२

१

२

तार	सु	सु	सु	स
मध्य	नि	ध नि	ध प ध	नि
मन्द्र				

रे छ ति यां स र न आ ध तू जि
३ २ १

तार	
मध्य	ध ध प ग म प ध प ध ध प म प . ५
मन्द्र	

न जा घा थ य न ज गा या . . .
२ ३ ७

राग भैरव.

ताल धमार.

तार	
मध्य	ध ध प प प प ध प ग म म . ५५
मन्द्र	

भा ज मिल स य गा न गा . धा

तार	
मध्य	<u>ध</u> . <u>धु</u> <u>ध</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>मृ</u> <u>रि</u> <u>गु</u> <u>मृ</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र	

उ स प्र भु . के . ध . न्य वा द
१ २ ३ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u>
मन्द्र	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>नि</u>

जि स का य श नि त्य गा . ते हं ग .
१ २ ३ २

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>धुँ</u> <u>ध</u> <u>नि</u> <u>नि</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u>
मन्द्र	

ध र्व सु . नी ग ण ध न्य वा . द

तार	स	सु सु	
मध्य	सु सु धु धु नि	नि	ध ध ध
मन्द्र			

मे द रो मे क
१ २ ३

द रो मे
२

प र व
१

तार	स सु रि रि स	
मध्य	नि	धु पु धु पु ग सु
मन्द्र		

तो . के लि स र प र दे ते हे .
२ ३ २ १

तार	रि सु	
मध्य	स पु धु धु	धु नि धु धु सु सु ग
मन्द्र		

ल गा ता र सौ सो या र मु नि ष र ध
२ ३ २ १ २

तार	
मध्य	म रि ग म प ण . ५
मन्द्र	

. न्य या . . द
३ २

राग तोंडि संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार और धैवत अनिकोमल मध्यम तीव्रतर.

निषाद शुद्ध

तीन ताल

तार	
मध्य	धु धु धु ण . मु णु धु धु मु मु गुरु गुरु
मन्द्र	

का क रि या . जि न मा . . . रो मो
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु	सु सु ध . प ध धु मु मु गुरि ग
मन्द्र		

१ २ ३ २

तार		सु	सु सु गुरि ग
मध्य	रि सु सु	पु मु ध	नि
मन्द्र			

१ २ ३

तार	रि सु	रि सु	गुरि रि
मध्य	नि	नि ध	नि
मन्द्र			

२ १ २

तार	सु रि
मध्य	नि ध नि ध पु पु गु गु
मन्द्र	

घ र आ : . वे . लं ग र
३ २

राग तोड़ी संपूर्ण.
ताल द्रुत चारताल.

तार	
मध्य	सु ध पु ध नि ध पु गु गु गु गु धं पु
मन्द्र	

ना ढ ढं तो त न न त न दे रे ना त
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	पु पु पु ध पु गु गु गु गु गु ध नि ध पु
मन्द्र	

न न न दे रे ना . य ल लि य ल लि
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		सु सु सु
मध्य	रि गुरि रि रि सु सु सु	नि ध.
मन्द्र		

य लि य ल ल ल तो . त न न तौ
३ २ १ ३ ० ३ २

तार		
मध्य	नि ध पु ग ग ग ग म म ध ध नि नि	
मन्द्र		

न न न य ल लि य ल लि य लि य ल
२ १ ३ २ ३ ०

तार	सु सु	स गुरि सु
मध्य		ध ध नि ध नि ध
मन्द्र		

ल ल त दी दी त न न न न न
० १ ३ २ ३ ० ०

तार		
मध्य	ॐ प णि ध प म ग रिसु ॐ	
मन्द्र		नि नि

दाँ त न न न न न ग धा कि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	रि रि गु गु गु गु गु गु मु मु धु धु	
मन्द्र	नि	

ड त क धु म कि ड त क धे सा कि ड
३ २ ३ २

तार	सु सु सु सु	सु सु सु ग रि रि
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

न ग ति र कि ड त क धि ला ग धु
२ १ ३

तार	रि रि सु सु
मध्य	धु धु नि धु धु धु धु प
मन्द्र	

कि ड त क कि ट ता ग दि ग न धा
२ ३ ४ २

राग तोड़ी संपूर्ण.

ताल झपताल.

तार	।
मध्य	ध नि धु . ५ प प ग ग म ध प . ५ ५
मन्द्र	

डु . गं आ . द भ चा . नी
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	धु . ५ ध ५ नि ध प म ग रि सु . ५
मन्द्र	

तार		
मध्य	स रि गु म ध . ५५	म ध
मन्द्र	ध ध नि	
१	२	३
१	२	३

तार	स रि	
मध्य	नि नि धु . ५	म ग ग म धु . ५
मन्द्र		
२	३	१ २
२	३	१ २

तार	स स स . ५५	स रि
मध्य	नि	ध ध नि नि
मन्द्र		
३ २	३	१ २ ३
३ २	३	१ २ ३

तार	स .	
मध्य	नि धु . I . ५ ५	पृ गृ गृ म ध नि
मन्द्र		

. नी .
०

फी जे द या व .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु . ५	ध नि ध म ग रि सु . ५
मन्द्र		

र

वा नी
१ २ ३

राग आसावरी संपूर्ण.

इय में आरोह में गंधार और निषाद वर्ज गंधार, धैवत और निषाद
अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीन ताल

तार		
मध्य	१ धु नि . नि धु प' धु सु	सु पु धु सु पु
मन्द्र		

कौ . न रि झा व न जा ये .
 ३ २ १

तार		
मध्य	गु सु रि गु गु रि रि सु सु सु . ५	
मन्द्र		धु

री अ ल वे . ली ना र च ली
 २ ३ २ १

तार		सु
मध्य	सु सु सु सु . ५ रि मु मु प	नि
मन्द्र	धु धु	

प क झ प क सो ने व र की झ
 २ ३ २

तार	सु ५		स
मध्य		ध ध ध प ध ५ मु .	म पु
मन्द्र			

न का र ध रे त
१ २

ग ट घा
३ ४

तार	सु सु	स	सु सु
मध्य	नि	म पु	नि ध ध
मन्द्र			

ट स य वा ट ग ट स य रा
१ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	गु रि गु रि सु रि
मध्य		ध
मन्द्र		

क त टो क त जि न य र वा . .
२ १ २

तार	स	सु
मध्य	नि धु प पु म पु धु नि	नि
मन्द्र		
व जा उ चु न रिया		
३ २		

तार	
मध्य	धु ध प पु धु म
मन्द्र	

री प्या री तू
२

राग आसावरी
ताल धमार

तार	
मध्य	स रि म प धु . ५ धँ धँ धँ धु प म ५५
मन्द्र	
स ख री जा दी न	

तार		
मध्य	म प धु . ५ ग ग रि स	रि गु . रि ग
मन्द्र		

त्य जे
३

फा गु न
२

वा
१

तार		
मध्य	रि	स १ . ५ रि म पु धु .
मन्द्र	धु १ . ५ ध ध	

यो
३

चित को
३ २

आ र .

तार		
मध्य	प ग I रि १ . ५ स १ . ५	ग प
मन्द्र		

मो हा
१ २

वे
३

पु ल
१

तार	सु . सु . I सु . ५५
मध्य	धु . १ . ५ नि
मन्द्र	

को
२

का
३

२

न

तार	सु सु रि सु रि गु I रि सु रि
मध्य	धुँ धुँ धुँ
मन्द्र	

ला
१

.

ज

स

व

.

त्य

ज

के

१

२

३

तार		रि
मध्य	धुँ ध प १ . ५	मु . ष १ . ५ ध नि
मन्द्र		

२

मो
१

ह

न
२

म
३

तार		
मध्य	ध्रु प . १ ध्रु	सु . गृ रि सु १ . ५
मन्द्र		

न ही लु भ्या . . ६
२ १ २ ३

राग यिलावल.

एत म दो निषाद एव शुद्ध जोर दुगरा अतिशोभ, अतिकामल
निषाद के वामन निशाना होगी थाकी के सब शुद्ध स्वर
नाल झपताल

तार	रि सु	
मध्य	ध्रु ध्रु ध्रु ध्रु प म गृ . ५	रि ग प
मन्द्र		

प्र य ल ही शा म थ य दु यं
१ २ ३ २ १ ०

तार		
मध्य	सु ग रि स स सु . ५	स स ध ध ध
मन्द्र		

ल ही दे ख ज न
३ २

झ ट ही प ट
१ २

तार	सु . ५	ग ग रि सु
मध्य	नि प ध ङ नि	प
मन्द्र		

झ प ट क रे
३ २

ग ज न चा यो
१ २ ३

तार	सु . ५	सु सु
मध्य	प ध ङ नि	पु प ध ङ नि
मन्द्र		

तार	स.०	सु ग ग म ग रि
मध्य		ध नि पु.५
मन्द्र		

को रा ए लि यो गि रि ध . र
१ २ ३ २

तार	ससससु.५	रि ग
मध्य	पु ध ग प ध	
मन्द्र		

इं द्र को . मा न लि न मं .
१ २ ३ २ १

तार	रि सु	सु.५
मध्य	प प ध नि	
मन्द्र		

घ टा यो . . .
२ ३ २

इस भजन के जो अंतरे हैं वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना

नरहरि रूप धरे बरही सब द्वारों ॥

दास प्रल्हाद पर योन मायो ॥ १ ॥

चक्रही दास द्वारी प्रेम के बस भये ॥

गोपीधर छोर के दुघपायो ॥ २ ॥

राग बिलावल.

ताल क्षपताल.

तार	स स स	
मध्य	ध नि पु म धु प .	गु रि स
मन्द्र		

चा रु शी ले . . प्रि ये . चा रु शी
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	सु १ १	स ध ध ध ध ध नि ध पु . ५
मन्द्र		

ले सुं च म वि मा . न म नि
३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	प ध ध नि ध पु मु . ५ प ध ङ नि . ५
मन्द्र	

दा . . नं . प्रि ये
१ २ ३ २

तार	सु सस रि म
मध्य	प प प ध ङ नि नि
मन्द्र	

व द सि य दि कों चि द पि द त
१ २ ३ २ १ २

तार	ग रि स रि स . १
मध्य	ङ नि प प ध ग
मन्द्र	

रु चि को . मु दी ह र ति द
३ २ १ २

तार	स स सु . ५	स
मध्य	प ध ङ नि	प ध ध नि
मन्द्र		

र ति ३ मि र ग ति २ धो १ २

तार		
मध्य	धु पु गु मृ प ध ङ नि . ५	
मन्द्र		

र . ३ . मि ये २

राग बिलावल.
ताल चारताल

तार	स स
मध्य	प ध ङ नि . ५ ध नि पु . ५ ध
मन्द्र	

तुं हि २ आ द ता . ५ ध ३

तार		
मध्य	ॐ नि ध प म पु . ५	ग म रि . ५ ग
मन्द्र		

ह्रदि . ण्
२ २

त
१ ३

दि

तार		
मध्य	म प म ग रि . ५ स रि सु . ५ सु १ . ५	
मन्द्र		

म हा .
२ ३ २

दे . व
२ २

त
१ ३

तार		रि . ५ सु
मध्य	ग प प पु १ . ५ ध ॐ नि	
मन्द्र		

हि . गु रु
२ ३ २

त दि
२ २

वे
१

तार	
मध्य	ध नि ष - नि ध प म रि गु . ष धू .
मन्द्र	

३ २ ३ २ २ २

तार		स स सु
मध्य	० नि . ५	ग प ध ० नि धू .
मन्द्र		

१ २ ३ २ ३ ३

तार	स रि स सु . ५	स गु रि ग म गु रि
मध्य		
मन्द्र		

२ २ १ ३ २

तार	गु रि स रि सु १ १	
मध्य		ध नि ध प . १ ग
मन्द्र		

. . च . ला क र त
 ३ २ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	प ध नि ध प . १	ध ६ नि ध
मन्द्र		

ही आ . फ र आ . के
 ३ २ ३ १ ३ ३

तार		
मध्य	नि पु ६ नि ध पु म रि गु ४	
मन्द्र		

. . प ला .
 ३ ३

राग सिंदोरा संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिशयमत्र, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा
अतिशयमत्र शुद्ध निषाद के त्रिय निशानी होभी
बाकी के सब शुद्ध स्वर
ताल धमार.

तार	गु . रि सु . १ रि	
मध्य		ध नि . ध प गु . सु
मन्द्र		
<div style="display: flex; justify-content: space-around; text-align: center;"> आवतहैघीजनार </div> <div style="display: flex; justify-content: space-around; text-align: center;"> १२३२१ </div>		

तार	
मध्य	प्र गु गु रि गु सु १ सु सु सु सु . १ रि
मन्द्र	
खे ल न को .	श शी व द नी
२ ३ २	१ २ ३

तार		सु . रि
मध्य	सु पु ध ध	नि ध नि प म प
मन्द्र		

• भृ ग ने • नी • स ज
२ १ २ ३ २

तार	सु . य	सु . स
मध्य	० नि	म . पु पु ० नि
मन्द्र		

स ज के श शी या •
१ २ ३ २

तार	स रि	गु . रि सु स रि
मध्य		नि ध नि प
मन्द्र		

शी र ची र व सं • ती • •
१ २ ३ २

तार		सु. रि
मध्य	गु. रि सु. १ रि सु पु ध ध	नि
मन्द्र		
	कु ल न गो हे ला . गी वै .	
	१ २ ३ २ १ २	

तार	स
मध्य	ध नि प म प ङ नि
मन्द्र	
	नी . . स ज म ज
	३ २

राग सुवासुधराई.

इस राग में गधार कोमल, धैवत दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, निपाद दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल अतिकोमल धैवत और शुद्ध निपाद के वारते निश्चानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीनताल

तार	स
मध्य	गु मृ धृ ङ नि धु नि षु मृ षु गु मृ रि स.
मन्द्र	

तार	
मध्य	स नि षु . ५ नि नि षु मृ षु मृ रि सु
मन्द्र	

व ह्मा रे धू . न री या . मै .
 १ २ ३ २

तार			
मध्य	रि . ५	गु . रि सु रि . स	१ . ५ १
मन्द्र			

के ला ल रं गा दे
 १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	सु रि सु सु पु पु पु पु . ५	सु पु
मन्द्र	० नि	

जै सि तो . री प गिया वै सो मो .
 २ ३ २ १

तार		
मध्य	नि नि सु पु नि नि पु सु पु सु रि सु सु . ५	
मन्द्र		

री . रे . चू . न रिया . मै . के
 २ ३ २

तार		
मध्य	गु . रि सु रि . सु	१ सु सु सु पु ५ ध
मन्द्र		

ला ल रं गा दे र ग रं गे ली
 १ २ ३ २ १ २

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	म
मध्य	० नि ० नि	
मन्द्र		
भा ३ र य ट फे ली मा ६ भो १		

तार	मृ रिसु सु सु	
मध्य	० नि नि ष . मु ष मृ रिसु	
मन्द्र		
. र मं गा २ ६ षू ३ . न रि मं . १		

तार		
मध्य	रि . ५ / गृ . रि सु रि . नृ . ५	
मन्द्र		
व गा १ २ ग ३ रं ४ गा ५ ६		

(५८)

राग सुवासुधराई.
तीनताल

तार	
मध्य	सु नि ष प ध ध म प ग ग ग म ष
मन्द्र	

दी ई त ना दे रे दा नि त न दे रे .
१ २ ३ २ १

तार	
मध्य	गु I ५ ५ रि सु रि म सु रि सु १
मन्द्र	ॐ नि .

ना त दि य ना रे ता
२ ३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	सु ५ गु गु म स रि रि स रि
मन्द्र	ॐ नि

तार		
मध्य	सु	सु सु. १
मन्द्र	नि	५ धँ ५ वँ म प

म त दे नो दे रे ना
१ २ ३ २

तार	सु. सु म सु
मध्य	१ गु मु म ५ ध ङ नि
मन्द्र	

य ल लि य ली या ल ला ले
१ २ ३ २

तार	सु सु सु गु गु म सु सु रि
मध्य	१ नि ङ नि
मन्द्र	

य ल लि य ली या . ल ला ले
१ २ ३ २

तार	सु	सु	सु
-----	----	----	----

मध्य		नि	नि	पु	नि	पु	पु	म	पु	म
------	--	----	----	----	----	----	----	---	----	---

मन्द्र	
--------	--

या . आ ल ला ले . या . आ ल
१ २ ३

तार		रि
-----	--	----

मध्य	स म	ग म प ग रि स . ५ सु सु
------	-----	------------------------

मन्द्र	
--------	--

ला ले य ल ल म य ला य ला .
२ १ २ ३ २

तार	रि	गु	सु	सु	सु	सु	सु
-----	----	----	----	----	----	----	----

मध्य		नि	गु	गु
------	--	----	----	----

मन्द्र	
--------	--

दी भ त ना दे रे दा . नी त न
१ २ ३ २

राग भैरवी संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार, धैवत, निषाद, अतिकोमल, मध्यम शुद्ध.
तीनताल

तार		स रि
मध्य	नि नि धु धु प प गु गु धु . नि	
मन्द्र		
	३ २ १ २	
तार	सु	स
मध्य	नि नि धु धु प प गु गु धु . नि	
मन्द्र		
	३ २ १ २	
तार	स ग स म गु १ सु	
मध्य	धु नि	नि धु प
मन्द्र		
	३ २ १ २	

तार		ग	रि	ग	रि
मध्य	म	ग	ग	म	ग रि रि सु ५
मन्द्र					

३

२

१

२

तार	रि	रि		ग
मध्य	नि	नि	धु धु पु पु ग	म ग म
मन्द्र				

३

२

१

२

तार	म	ग	म	पु	म	ग	रि	सु	रि	रि	सु	रि	सु
मध्य													
मन्द्र													

३

२

१

२

तार	स				सु				
मध्य	गु	सु	गु	सु	धु नि	नि	नि	धु	म
मन्द्र									
	३	२		१		२			

तार	सु सु				
मध्य	धु नि	नि नि नि धु धु	धु पु पु		
मन्द्र					
	३	२	१		

तार				
मध्य	पु मृ मु सु गु मृ गु रि रि सु १	सु		
मन्द्र	नि			
	२	३	२	१

तार	सु सु ग म
मध्य	ग म प ग म ध नि नि
मन्द्र	

२ ३ २

तार	प म ग रि स रि स
मध्य	
मन्द्र	

१

२

भैरवी छायालगतत्व.

इस राग में ऋषभ दो एक शुद्ध और दुसरा आतेकोमल गंधार, धैरत और निषाद अतेकोमल शुद्ध ऋषभ के वास्ते निगानी हागी

द्वुत चारताल

तार	
मध्य	मृ पु धु पु मु ऋ रि गु मृ रि रि गु रि सु
मन्द्र	

सुं . . . द र स य . प जा के
 १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स सु रि सु ५ ५ सु
मन्द्र	धु धु म धु नि

सुं . द र सी धा र की नो सुं
 १ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	सु सु धु प पु धु पु गु मृ नृ पु धु नि धु
मन्द्र	

द र . न घे . ली जो . पी या . की प्रा
 ३ २ ३ २ २ १ २

तार		
मध्य	प मृ ग मृ प मृ ग स	धृ धृ मृ धृ नि
मन्द्र		

२ न प्या ३ २ री २ पू १ ज ती ३ २

तार	सु ल	सु सु	५ ५	सु सु सु
मध्य		नि		धृ धृ
मन्द्र				

म हा दे २ २ व २ सी ला पा ३ २ र

तार	रि रि रि सु	
मध्य		धृ धृ धृ प प प प प प
मन्द्र		

सु ३ २ ची मा २ न २ र ह स र ह ३ २

तार		
मध्य	प० ध० नि० ध० प० ग० म० म०	प० ध० नि० ध० प०
मन्द्र		
स गा . . . घ त दा . उ फ . ३ २ २ १ ३ २		

तार		
मध्य	म० ग० म० प० म० ग० स०	
मन्द्र		
र ता . . र . ३ २ २		

राग छायालगत्य भैरवी संपूर्ण.
ताल तेवरा

तार		
मध्य	स० ध० प० प० प० प०	घ० नि० ध० म० धु० पु० म०
मन्द्र		
घ . न्य० दा० न० द० या . ल० तू . . १ ३ ३ ३ १ ३ ३		

तार		सु	
मध्य	ग म	प ध	नि ध प म ग
मन्द्र			

प्र भु ध . न्य . लू . ज ग दी
२ १ ३ २ २ १

तार		
मध्य	० रि सु ० रि ग म प . ०	पृ पृ पृ
मन्द्र		

. श्व रा . . . ध न्य य
३ २ २ १३ २

तार			सु
मध्य	प . ०	ध नि धु पु ग म . ०	प ध
मन्द्र			

ह रु पा द्वे . ते री ध . न्य
२ १ ३ २ २ . .

तार		
मध्य	नि ध पु षु गु म	गुरि स० रि सु . १०
मन्द्र		

तू . . प र मे . . श्व रा
२ ७ १ ३ २२

तार		सु स सु स	सु स
मध्य	धृ म धृ नि	नि	
मन्द्र			

ध न्य द या दी न प र दा ता तू
१३ २ २ १३ २ २ १३

तार	सु रि	रि रि रि स
मध्य		नि धु ध प . १ पु प
मन्द्र		

दी सं सा . . र दा . . ध न्य
२ २ १ ३ २ २ १३

तार		सु
मध्य	प प प . १ नि धु ध प गु म्	प ध नि ध
मन्द्र		

क रु णा ति धु स्वा मी जो की . से
२ २ १ ३ २ २ १ ३ २

तार	
मध्य	प म म गु म् धु प म गु रि सु सु १
मन्द्र	नि

. न वी शा . र दा
२ १ ३ २ २

इस भजन के जा अतरे है वह ऊपर के अतरे के साफक गाना
 धन्य महिमा अक्य तेरी अंत कोई न पावदा ॥
 द्वार के पीछे रह जाय कथननू जो धावदा ॥ १ ॥
 जीव सब संसार दे गिनती न आसी जावदी ॥
 अन्न पाणि दान करदा होर सब मन भावदी ॥ २ ॥
 तेरी महिमा तूदी जाने होर तैं यडियाइया ॥
 क्षुद्र जंतु आखे खोइ मन विखे जो आइया ॥ ३ ॥

भौंगी बाट पहाड दी क्यों चढ सके है पपीलिका ॥
 अंधा चाहे चंद्र बेखों मुशक गज डीलका ॥ ४ ॥
 भोक बैल न बन सके पिगल उलंघे मेरु क्यों ॥
 मूका पत्ता होवे नहीं रागी क्यों कर गुंग हो ॥ ५ ॥
 होय कायर पेत मागे रचे ग्रंथ न यात्रला ॥
 कदा क्यों कर गुण मैं तेरे बुद्धी दीन उतात्रला ॥ ६ ॥
 हाथ जोट नवाए मस्तक अगण वंधन कीजिये ॥
 धन्य प्रभु महिमा तेरी जिस रटे सुग भोजिय ॥ ७ ॥
 सयही पून कपून तेरे अंत तैनू लाज है ॥
 नाम धन प्रभु दान कीजे सोई हमरे काज है ॥ ८ ॥

राग सारंग ओढव.

इस में गंधार और धैवत वर्ज, निषाद दो एक शुद्ध और दुमरा अति-
 कोमल, अतिरौमल निषाद के बास्ते निगानी होगी. बाकी के सब
 शुद्ध स्वर लभते है
 ताल श्रपताल

तार	स स स	
मध्य	नि नि	१ नि प पु म रि रि
मन्द्र		

म धु म द न म न क . रो प्र
 १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	म प म रि रिसु .	मममप ५ नि
मन्द्र		

भु से . तू . म सा ची क ही ये
 २ ३ २ १ २ ३ २

तार		सरिसु .
मध्य	प प म प नि	५ नि प नि
मन्द्र		

. . को न . नी भा . वे
 १ २ ३ २

तार	सु . ५	सु सु सु
मध्य		म म प ५ नि पु नि
मन्द्र		

. . ज य को . को ला कृ क
 १ २ ३ २

तार	स स रि स .
मध्य	नि ५ नि प ५ नि प
मन्द्र	

उ १ डी २ च ३ . ओ २ . र

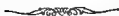
तार	रि रि रि प रि रि सु सु . ५	
मध्य		स प नि
मन्द्र		

मी १ त २ ल ३ मी ३ . द २ र स १ मी २

तार	स रि स .	सु . ५
मध्य	५ नि प नि	
मन्द्र		

. र भा ३ . ये २ .

राग गौड सारंग.



इस राग में दो मध्यम एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतम, तीव्रतम मध्यम
के वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	म० ग० ध० प० ध० ऋ० म० प० ग० म० रि० म०	ग०
मन्द्र		
	त ना त नों	त न दे रे ना त द
	१ ३ २	३ २ २ १

तार		
मध्य	म० रि० सु० रि०	रि० सु० सु० ग० रि०
मन्द्र	नि०	नि०
	रे दा नि त दा . नी द र दी .	
	३ २ ३ २ २	

तार	सु सु सु सु	सु
मध्य	सु सु पु पु पु धु	धु नि
मन्द्र		

ना १ द्रे ३ ड्रे २ तुं २ ड्रे ३ . द २ र्द २ तौ २ त १ न ३ नि ३

तार	रि सु	सु सु
मध्य	नि धु पु सु सु पु पु	नि
मन्द्र		

त २ दा २ रे ३ दा ३ नी २ द २ र्द २ र्द २ तौ १ त ३ न ३

तार		
मध्य	धु पु सु पु सु गु सु रि	गु सु रि
मन्द्र		नि

न २ न ३ म ३ न २ नि २ ता २ . रे २ ता १ रे ३ दा २

तार		
मध्य	रि सु	सु गुरि
मन्द्र	नि	

. नी द र र्छो .
३ २ २

राग भीमपलासी.

इस राग में आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज. गंधार और निषाद
अतिकौमल, यारी के सब शुद्ध स्वर.

तानिताल.

तार		
मध्य	सु सु गुरि सु सु	गु सु पु नि
मन्द्र	नि नि	

सा डे ना ल या . म नी या . . .
३ २ १

तार	सु रि सु	
मध्य	पु नि	नि पु मु गु १ गु गु
मन्द्र		
	३	२ १

तार		
मध्य	सु पु नि धु पु मु गु गु	सु सु गु
मन्द्र		नि नि
	२	३ २

तार		
मध्य	गु सु सु	पु पु पु पु पु पु मु गु सु पु
मन्द्र		
	१	२ ३

तार	सु सु . ५	
मध्य	नि नि नि	नि नि नि नि
मन्द्र		

न दि लां दी
२

ह स ह स
१

तार	सु रि सु	
मध्य	नि नि	नि पु मृ गु ५ गु गु
मन्द्र		

मु ख व त ला . व नि या स ज
२ ३ २ १

तार		
मध्य	सु पु नि ध पु मु गु गु	
मन्द्र		

न म न र म या . .
२

(७१)

राग भीमपलासी.
ताल चारताल (ध्रुपद)

तार		
मध्य	प नि . पु प मु गु . पु मु .	प . प . १
मन्द्र		
	य . . स यो . . .	नं द
	२ . . २	१ ३ २

तार		
मध्य	म प . १ धु प . धु प . म मु . ५	प
मन्द्र		
	कु व र . वा . ल	प
	३ २ २	१

तार		
मध्य	नि ध प . १ पु धु मु . पु गु . मु गु . पु	
मन्द्र		
	न मे . मे रो . . म . न	
	२ २ २	

तार		
मध्य	मृ . पु . ५	प ग रि मृ ग रि स . १ प
मन्द्र		

ह र . . ली . नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि . पु प मु ग . पु मु .	पु प मु ग .
मन्द्र		

. . स यी . . . जी ये हो .
२ २ १ ३

तार	सु	सु	सु सु . ५
मध्य	स स प	नि . नि	नि .
मन्द्र			

. फ ला . . स मे . . रो
२ ३ २ २

तार	सु ११	स म गुरि स स
मध्य	नि	नि ध पु . ५
मन्द्र		

ने न न . सो नी . . र जा य
 १ ३ २ ३ २ २

तार		सु	स
मध्य	पु . सु ग . म . ५	ग म प	नि . नि
मन्द्र			

मे रे . .
 १ ३ २

नी या फो दू .
 ३ २ २

तार	रि . ५	रि स	;
मध्य			नि ध पु . १ प
मन्द्र			

स दू
 १

की जो ये
 २ ३

तार		
मध्य	नि . पु प मु गु . पु मु .	पु प मु गु .
मन्द्र		

स खी सा व रो
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म म पु प धु मु . प पु . ५	पु म प
मन्द्र		

स लो न का न षा ट रो
२ ३ २ २ १ ३

तार	सु	सु रि सु सु
मध्य	नि . नि नि	नि धु पु . ५
मन्द्र		

क ठा डो . भ यो .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग ग म प मु ग . I म ग रि सु . ५
मन्द्र	

मो हे तो पु ला . ये गा . ये
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स मु ग . म प . १ प पु धु म . प
मन्द्र	नि

अ ध र . न को र स ली . .
१ ३ २ ३ २ २

तार		सु
मध्य	पु . ५	प प मु ग . म म प नि .
मन्द्र		

नो नि न मा . . पु ला . .
१ ३ २ ३

तार	सु सु . ५	स . १	स
मध्य	नि नि	नि	नि
मन्द्र			

ये औ र सु ख सो
२ २ १ ३ २

तार	म गु रि सु सु	
मध्य	नि ध पु . ५	प प मु
मन्द्र		

बु ला ये गा . ये धा छु री
३ २ २ १ ३

तार	सु	स रि . ५
मध्य	गु . म म प	नि . नि नि
मन्द्र		

य जा ये क छ
२ ३ २ २

तार	रि स रि स					
मध्य	नि ध प . १ प नि . पु प					
मन्द्र						
जा	दू	फी	नो	ये		स
१	३	२	३	२		

तार		
मध्य	सु ग . पु म .	
मन्द्र		
री		
२		

राग सुलतानी.

इस राग में रूपम और पैवन अधिकोमत, गधार बोलत, मध्यम लीमतम, निषाद तीम, आरोह में रूपम और पैवत वर्ज

आलाप

तार	सु
मध्य	सु ग म प नि नि धु प म ग रिसु
मन्द्र	नि

तीनताल.

तार		
मध्य	म ग म ग रिसु रि	स म ग १
मन्द्र	नि	

वा ज त व धा इ व र सा ने .
 ३ २ १ २

तार	सु
मध्य	ग म प प नि नि नि धु धु म प
मन्द्र	

मं . सु न क र आ इ
 ३ २

तार		
मध्य	म ण धु धु मु मु गु म ण ण	प ण प ण
मन्द्र		

अ प ने फा

१

न आ ज न र ना री

२

३

४

तार		स स १ सु गु
मध्य	धु मु पु गु म	प नि नि
मन्द्र		

. न . मिल

१

म ग ल

गा धो

२

स द

३

तार	गु रि सु	
मध्य	नि ध ण	म ण धु धु मु मु गु
मन्द्र		

न न न न न न

२

द र स ध्या . . .

१

२

तार			
मध्य	मृ णृ णृ	पृ णृ धु मृ णृ मृ गृ मृ	१ णृ
मन्द्र			

न आ ज आ फे ता . . फे ग त ओ
३ २ १

तार		सृ सृ सृ
मध्य	पृ धु मृ णृ मृ गृ मृ णृ नि नि	
मन्द्र		

फे तो . फे ग त ला . ग दा ट सो
२ ३ २

तार	सृ १ २ सु सु	
मध्य	नि	नि नि धु मृ णृ मृ
मन्द्र		

सु २
१

ही रे . . ता
२ ३

तार		
मध्य	गु रि	सु. ५
मन्द्र	नि	
	नो २	धा धा कि ड रि ड धुं १ २

तार		सु सु रि
मध्य	सु सु गु गु सु सु णु नि नि	नि
मन्द्र		
	कि ड कि ड रि ड प र न	सु र न धा ३ २

तार	सु	
मध्य	नि णु णु धु सु सु गु नु णु णु	
मन्द्र		
	जे नो य द फा . .	न आ ज १ २

राग पिलु संकीर्ण.



इस में दो ऋषभ, दो गंधार एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल,
धैवत अतिकोमल अतिकोमल ऋषभ और शुद्ध गंधार के वास्ते
निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	सु गुरि	सु. १
मध्य	१ पु नि नि नि	धु
मन्द्र		

का ना ने . .
पे सी रे
. .

३
२
१
२

तार	सु गुरि गुरि गुरि	गु मु
मध्य	नि नि धु पु I.	
मन्द्र		

. . .
या .
पे सी तो य
जा .

३
२
१

तार	रि गु रि	सु १	सु ५ रि ५ रि
मध्य		नि	नि नि
मन्द्र			

. . . इ . सु ध वि सु रा
२ ३ २

तार	सु	स	१ सु ० गु सु
मध्य	नि	ध	नि धु पु
मन्द्र			

. . इ . . या . धा ज त
१ २ ३

तार	पु पु पु	१ सु ० गु ० गु सु ० गु सु पु
मध्य		
मन्द्र		

रा म री भ रि दि या . . .
२ १ २

तार	गु रि सु . १ गु गु गु गु मु रि गु रि सु
मध्य	नि
मन्द्र	

. नी . सु च त ना ही .
३ २

तार	सु ५ रि रि सु सु
मध्य	नि धु धु पु . ५
मन्द्र	

फ छु फा . . ज या .
१ २

राग काफ़ी संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिविक्रमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिविक्रमल, शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी.
बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तीनताल.

तार	म
मध्य	म पु नि ध नि पु म ग रि सु रि
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	
मध्य	रि रि ग रि ग म ग रि सु रि सु
मन्द्र	नि

१

२

३

२

तार	।
मध्य	सु रि ग म पु ग म पु ध म पु ध नि
मन्द्र	

१

२

३

तार	सु	सु रि	सु रि
मध्य	पु धु नि	धु नि	नि
मन्द्र			

२

१

२

तार	गु रि सु	सु
मध्य	नि धु नि पु	मु मु पु धु
मन्द्र		

३

२

१

२

तार	सु	सु रि गु मु गु	रि सु पु
मध्य	नि	धु नि	
मन्द्र			

३

२

१

तार	मृ गृ रि मृ गृ रि सु
मध्य	नि धु नि प धु. ५
मन्द्र	

२

३

२

राग गौडिमल्लहार.
 इस राग में सय शुद्ध स्वर लगते हैं.
 तीनताल.

तार		
मध्य	गृ मृ रि मृ गृ रि सु	रि गृ मृ पृ मृ गृ
मन्द्र		

धा . इ य द रि या सा . घ न फी .
 ३ २ १ २

तार		सु
मध्य	रि पृ पृ पृ मृ पृ	धु नि धु पृ मृ गृ
मन्द्र		

सा घ न फी म न भा . . घ न फी .

तार		सु	
मध्य	सु पु	धु नि	धु पु सु गु सु पु
मन्द्र			

घ र आ . . च न की . शु की
 १ २

राग मालव, पाडव.

इस राग म ऋषभ, धैवत कामल, मध्यम तीव्रतम पचम वर्ज वादी के सब छन्द
 स्वर लगते हैं (तीनताल)

तार							
मध्य	धु सु	धु गु	सु धु	सु गु	रि	रि	
मन्द्र					नि	नि धु	
	१	२	३	४	५	६	७

तार							
मध्य		सु	रि गु	रि गु	सु धु	गु नि	
मन्द्र	सु धु	नि	नि				
	१	२	३	४	५	६	७

तार	रि	
मध्य	धु नि म	धु नि म नि धु म गु म गु
मन्द्र		

२

॥

२

३

तार		स रि
मध्य	रि गु म गु रि रि	गु म धु नि नि
मन्द्र	नि	

२

१

२

३

तार	गु म गु रि गु	रि रि रि
मध्य	नि नि धु	नि धु म गु रि . १
मन्द्र		

२

१

२

३

२

तार	रि
मध्य	रि ग म ध नि ध म ग रि ग म १
मन्द्र	ध नि
	१ २ ३ ४

तार	म ग रि ग म ग रि
मध्य	नि ध म ग रि रि ५
मन्द्र	नि
	१ २ ३ ४ ५

राग पृथी.

इस में कृपम और धैवत अनिष्टमल, मध्यम दो एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यम के वास्ते निशाना होगा. बाधी के सब शुद्ध स्वर लगने ह तीनताल.

तार		
मध्य	ग ग म म ग रि ग म	प ध प म ग
मन्द्र		

ह री य . म . का . म य सु य दी
३ २ १ २

तार		
मध्य	ॐ मृ गृ . ५ मृ गृ रि सु सु सु	रि गृ
मन्द्र		नि

ना दू ध पू त ओ र अ न ध
३ २ १

तार		रि
मध्य	रि सु सु सु रि गृ मृ धृ	नि
मन्द्र	नि नि	

न ल छु मी कि र पा थो गो . बी द
२ ३ २ १

तार	सु	
मध्य	नि धृ पु म पु धृ पु	गृ गृ गृ गृ मृ
मन्द्र		

. र ग दी ना . अ ग म अ पा
२ ३ २

तार		सु सु सु सु सु सु रि गु गु रि सु
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

र न ज ग नी स्तार न कृ पा कर न दु
१ २ ३ ४

तार		रि
मध्य	नि	नि धु नि धु मु मु गु गु गु गु मु
मन्द्र		

ग ह र न सु ग म द न स य पा त
१ २ ३ ४

तार	सु	रि सु
मध्य	धु नि	नि नि धु पु पु धु मु पु
मन्द्र		

न मो . ला य य धी . ना . . .
१ २

राग श्रीराग.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, बाका के सब शुद्ध स्वर

ताल (अभिनदा) सुरफाक्ता.

तार	सु	
मध्य	नि नि ध स प ध प	म ध म ग रि रि रि
मन्द्र		

गौ री अ र धं . . ग ना . च त सों . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार		
मध्य	रि रि स प प प रि रि रि रि रि स	म ध नि
मन्द्र		

मी . त शं क र श्री पु र ण . र श्री शु
३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार	स रिरि स	स स	रि ग रिरि स
मध्य		नि	नि
मन्द्र			

ल ड म रु ना . ग व्या घ्रां . व र
२ २ ३ १ ३ २

तार	स	
मध्य	नि नि ध	प प प प म प ध ध ध प
मन्द्र		

औ . व र ग ज घ र मा . . . स्वर
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	प प म ध म ग रिरि स स	
मन्द्र		

प री धा . . . न फ र
१ ३ २ २ ३

(१०४)

राग शंकरा कल्याण.

इस राग में मध्यम तीव्रतर, बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल झुमरा मात्रा १४.

तार	सु	रि सु
मध्य	नि धु. नि धु नि	नि धु नि. ५
मन्द्र		

आ द मा . हा

२

तार	सु
मध्य	धु सु पु . १ पु नि धु नि धु सु पु . गु
मन्द्र	

दे य री . . न

१

२

३

(१०५)

तार		
मध्य	गु गु रि प गु . ५ पु गु षु ५ . ५	ग रि
मन्द्र		
	य जा . . ई पा . ई	न्या .
	२	१

तार		
मध्य	सु सु ५ . ५ रि गु रि	सु सु . ५
मन्द्र		नि नि
	म त	का . . . न पी
	२	३

तार		
मध्य	रि स . १ सु सु गु गु	षु षु
मन्द्र	धु . नि	
	या . .	न दा र ग क र
	२	१

तार	सु रि सु	सु I ५
मध्य	नि धु . नि	नि धु नि
मन्द्र		

क . र म दी खा ई . . .

तार		सु	रि सु
मध्य	पु . ५	नि धु .	नि धु नि
मन्द्र			

. आ द
२

तार		
मध्य	नि धु नि . ५	धु सु पु . गु . ५ ७ पु
मन्द्र		

मा . हा दे . . य स
१ २

तार	स स स स स रि सु सु . ५ सु
मध्य	नि धु .
मन्द्र	

स्त . . स्वर न की . सु र सु
३ २

तार	सु गु गु गु गु पु गु . पु पु गु . पु गु रि
मध्य	
मन्द्र	

र . की म स्त ता . . न म न
१ २ ३

तार	स स सु . ५ सु सु . सु सु रि
मध्य	नि धु
मन्द्र	

र ग म उ म . प्या म म ट
२ १

तार	गुरिसुरि सु ५
मध्य	नि नि नि धु मु पु ५
मन्द्र	

ता . न ले
२

तार	सु . १
मध्य	१ पु धु पु . ग ग प प नि धु .
मन्द्र	

स व गु णी य न को
३ २ १

तार	सुरि सु सु IY
मध्य	नि धु नि पु . Y
मन्द्र	

स म शा ई
२ ३

संगीत शिक्षणका क्रामक पुस्तक.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर
आज तक जों किताब तयार किहैं उनके नाम और निमत.

	भागा	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्त्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	०
संगीत बाल प्रसाद हिंदी और उर्दू.	१३	२	४	०
स्वरपालाप गायन.	१४	५	०	०
संगीत चालचोप हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश	११४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी	-	२	०	०
" द्वितीय.	-	३	०	०
राग भरव	-	२	०	०
राग मालकंस	-	२	०	०
राग भूपाली	-	२	०	०
मृदंग और तयलैकी पुस्तक.	-	१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.	-	१	०	०
भजनामृत लहरी.	१५	२	८	०
राम नामावली.	-	०	२	०

हमके निराप धीयुत सुस्थनकर कृत चयावलिया मिलेगी

मनेजर

गार्थ महा विद्यालय.

प्रस्तावनिका.



“राग प्रमथ” यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है ।

जिनको थोड़ा बहोत स्वरका आर तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी निश्चित नहीं कर सके हैं इसके सब भाग यदि कठ हो जावे तो लगभग प्रचारके रंग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सज्ज होगा. इसके नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हर एक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है

इस प्रथम भागमें केवल जैनिनी कश्यप रागमें एक गीत तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमें “छात्रित स्फुरित. आरोलित, त्रिभिन, गट्टदित ” इत्यादि गमक लिखी हैं. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बचाना क्षमतासे सम्भव करना हो, तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यद्दारे अफन रीतिके (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए

गिरगांव सँडहस्टरोड, मुंबई.



ह्या विद्यालयात गायनवादन (तबला, हार्मोनियम, दिल सतार वगैरे) शिष्यविण्याची सोय उत्तम प्रकारची केली : शिष्यविण्याच्या वेळां दररोज सकाळीं (स्टॅंटा) ७ ते आणि सायंकाळीं ६ ते रात्री १० पर्यंत याप्रमाणे ठेविल्या ३

य। शिष्या कुलीन स्त्रिया व मुलींसाठीं सकाळीं ७ ते व दुपारी ३ ते संध्याकाळीं ६ पर्यंत वेळ ठेविली असून : शिष्यविण्यास स्वास लेही टॉचर ठेविली आहे.

गायन वादनाचे जलसे ---प्रत्येक शनिवारी रात्री वाजता व रविवारी सकाळीं ९॥ वाजता (स्टॅ. टा.) होत असत

पुस्तकें-आमचें विद्यालयात गायन व वादनाची पुस्तकें विमळतात.

बाचें---आमचे कारखान्यात सर्व प्रकारची बाचें नवीन त होतात व जुनी बाचें दुरुस्त केलीं जातात.

मनेजर - गां. म. विद्यालय-मुंबई.

राग जैमिनी कल्याण.



इसमें केवल दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध दूसरा तीव्र, शुद्ध मध्यमके चाम्ते निशानी होगी.

आलाप.

तार	सु
मध्य	रिं गु म धु नि नि नि धु सु पु ५ रिं
मन्द्र	निं

ता . न न न त त र न री . . द

तार		
मध्य	सु १ रि. ५	
मन्द्र	धु नि	

ना त म त .

तीनताल.

अम्नाई- अय गुनन कीजिये गुनिसन काजाने गुन की
सार और गुनी गुनी जाने गुन की सार ॥

अतरा-बड़ी बेर समझे नहि समझत बार बेर कोन कहे
एक बेर कहे दीनो कोन कहे यह बार धार ॥

ता र		
मन्त्र	सु रि गू पृ रि गू रि सु - ५	गू रि
मन्त्र	नि	

अ ब गु न न की जी ये गु ना
३ २ १

तार	
मध्य	गु गु पु - मु गु फ मू गु रि सु
मद्र	नि धू प

स न का . जा . ने . गु न की सा
२ ३ ३

तार		
मध्य		गु . गु गृ गृ रि सु रि गु रि
मद्र	पु . ५	नि
र	औ र गु नी . गु नी . . जा	
	१	२ ३

तार		
मध्य	रिं सु रिं गू रिं . ५	गु मु प रिं गू रिं
मन्द्र	निं	

. ने गु न की . . . सा . र
२ २

तार		
मन्त्र	सु रि गु प रि गु रि सु . ५	गु गु प
मन्द्र	नि	
अ न गु न न की . जी ये		व ङी ये
३	२	१ २

तार		
मध्य	गु गु गु रि	
मन्द्र		

बा र बा र
१ २

तार		
मध्य	सु रि गु प रि गु रि सु . ५	गु र
मन्द्र	नि	

अ व गु न न की . जी ये गु न
३ २ १

तार		
मध्य	रि गु रि . ५ सु रि गु प रि गु रि	
मन्द्र	नि	

स . न अ व गु न न की . जी
३ ३ २

तार		
मध्य	सू. ५	सुरिगुपूरिगुरि. ५ सुरि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ व गु
 १ २ ३

तार	.	.
मध्य	गुपूरिगुरिसू. ५	निधुसुपूरिगु
मन्द्र		

न न की . जीये गु नी . . स
 २ १ २*

तार	
ध्रुव	रि. ५ सुरिगुपूरिगुरिसू. ५
मन्द्र	नि

न अ व गु न न की . जीये
 ३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु धू
मन्द्र	

व डी बे र स म शे न ही स म क्ष त
१ २ ३ ४

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु धू	गु गु प
मन्द्र		

व डी बे र स म शे न ही व डी बे
१ २ ३ ४ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु धू	नि गु गु प पु धू
मन्द्र		

१ स म शे न ही व डी बे र स म शे

तार		
मध्य	सू.५	सुरिगुपूरिगुरि.५ सुरि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ व गु
 १ २ ३

तार		
मध्य	गुपूरिगुरिसू.५	निधुसुपूरिगु
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स .
 २ १ २*

तार		
मध्य	रि.५	सुरिगुपूरिगुरिसू.५
मन्द्र	नि	

न अ व गु न न की . जी ये
 ३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु धू
मन्द्र	

व टी वे र स म स्ते न ही स म स्ते व
 १ २ ३ २

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु धू	गु गु प
मन्द्र		

व टी वे र स म स्ते न ही व टी वे
 १ २ ३ २ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु धू	त्रि गु गु प पु धू
मन्द्र		

र स म स्ते न ही व टी वे र स म स्ते



तार	सु सु	सु रि गु रि	सु ५
मध्य	धु नि	नि	सु
मन्द्र			नि

न ही २ अ व

तार		
मध्य	रि गु प्र रि गु रि सु ५	रि
मन्द्र		धु नि नि

गु न न की . जि दे
३ २ १

तार	
मध्य	सु ५ सु रि गु प्र रि गु रि सु ५
मन्द्र	नि

२ अ व गु न न की . नि मे
२ २ २

तार	
मध्य	रिगुमुपुर्दिगुदि ०५ स्त्रिगुपु
मन्द्र	नि नि

आ अ ष गु न न
१ २ ३

तार		
मध्य	रिगु १ रिगुमु धनि ० धमुपु रि ०५	
मन्द्र	नि	

की . आ
२ १ २

तार	
मध्य	स्त्रिगुपु १ रिगुमुधुनिनि
मन्द्र	नि नि

अ ष गु न न ग
१ २

तार		सु
मध्य	धु नि	नि ध सु प रि . ४ सु रि गु
मन्द्र		नि

१ २ ३ अ व गु न

तार		रि रि
मध्य	पु रि गु १ रि गु सु	धु नि
मन्द्र	नि	

न की आ १ २

तार	
मध्य	नि नि धु सु प रि . ४ सु रि गु पु १
मन्द्र	नि

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० अ व गु न न

तार	रि ग, ५ रि
मध्य	रि गु मु धु नि
मन्द्र	नि

आ
२ १

तार	
मध्य	सु प. रि. ४ सु रि गु मु धु नि
मन्द्र	नि नि

.
२ ३

तार	सु रि गु मु प. रि रि
मध्य	नि नि. धु मु प.
मन्द्र	

.
२ १

तार	मृ रि सु ५
-----	------------

मध्य	मृ धृ नि नि धृ मृ धृ नि धृ नि
------	-------------------------------

मन्द्र	
--------	--

न न की जी ये गु नी स न का . जा ने
२ ३ २

तार	गृ रि सु रि सू
-----	----------------

मध्य	धृ नि न् नि धृ नि धृ मृ धृ
------	----------------------------

मन्द्र	
--------	--

गु न ी सा . र औ र गु नी . गु नी .
१ २ ३ २

तार	
-----	--

मध्य	पृ पु रि गृ पृ रि गृ रि ५ सृ रि गृ पृ
------	---------------------------------------

मन्द्र	
--------	--

नि

जा ने गु न की सा . र अ व गु न न
१ २ ३

तार	सू	स सु ४
मध्य	टि धु • नि	पु पु धु नि
मन्द्र		

. . . जी . ये गु नी .
१ २

तार	सू सु • ४ गु •	रि सु •
मध्य	नि धु नि	नि धु • ४
मन्द्र		

स न फा . . जा . ने . . .
३ २

तार	रि गु रि सु सु सु • ४ रि सु
मध्य	नि नि नि नि
मन्द्र	

गु न की जा . . र जी . . र
१ २

तार	सु १ सु ४	सु रि
मध्य	पु धु नि	पु पु ध, नि
मन्द्र		
	जा . . . ने	गु . न . . .
	२	३

तार	सु गु रि सु	रि	
मध्य	धु नु नि,	नि ध, नि धु	
मन्द्र			
	की सा . र और गु नी .	गु नी . जा	
	२	१	

तार	
मध्य	पु १ गु ८ रि गु रि सु रि गु पु रि गु ९
मन्द्र	नि

ने गु न की सा . र अब गु न न की .
 २ ३ २

तार	सु१	स सु ४
मध्य	नि धु •	नि • पु पु धु नि
मन्द्र		

• • • जी • ये गु नी •
१ २

तार	सू सु • ४ सु •	रि सु •
मध्य	नि धु नि	नि धु • ४
मन्द्र		

स न का • • जा • ने • •
३ २

तार	रि ग रि सु १ सु • ४ रि सु
मध्य	नि नि नि नि
मन्द्र	

गु न का सा • • र औ • • र
१ २

तार	
मध्य	नि धु सु पु रि मू • ४ रि गु मु नि
मन्द्र	नि
गु नी . . गु नी जा ने गु न की ३ २ १	

तार	सु रि गु रि सु
मध्य	नि ध प ध नि नि ध प
मन्द्र	
. सा . . . ७	

तार	
मध्य	मू गु रि सु ङ सु रि गु प रि गु रि
मन्द्र	नि
. . . र ष व गु न न की . जि ३	

तार		
मध्य	स्. ५	✱ रिगुमृपु. सुगुंम्
मन्द्र		: नि

ये अ व गु नन . . . की
 १२३ २

तार	
मध्य	पु. सुगुंम् सुधुपु. सुगुंम् ध्रु नि
मन्द्र	

. . . . जी. ये गुनी .
 १ २ ३

तार		
मध्य	ध्रुसुपु ५ सुगुंम् - ५	सुधु नि ध्रु ५
मन्द्र		

स न का
 २ १

तार	सु १ सु ४	सु रि
-----	-----------	-------

मध्य	पु धु नि	पु पु धु नि
------	----------	-------------

मन्द्र		
--------	--	--

जा . . . ने गु . न . . .
२ ३

तार	सु गु रि सु	रि	
-----	-------------	----	--

मध्य	धु . नु नि	नि धु नि धु
------	------------	-------------

मन्द्र		
--------	--	--

की सा . र और गु नी . गु नी . जा
२ १

तार	
-----	--

मध्य	पु १ गु ८ रि गु रि	सु रि गु पु रि गु ९
------	--------------------	---------------------

मन्द्र	नि
--------	----

ने गु न की सा . र ख व गु न न की .
२ ३ २

तार		
मध्य	रि गु रि	गु सु गु सु पु सु पु धु पु धु
मन्द्र	नि	

आ
१ २

तार	सु सु रि सु रि गु गु
मध्य	नि धु नि नि
मन्द्र	

.
३

तार	रि सु रि सु सु	
मध्य	नि नि धु नि धु पु धु गु	
मन्द्र		

तार		
मध्य	सु पु सु गु म गु रि ग रि सु . ५	सु
मन्द्र		ति

. २

अ व

तार		गु रि सु
मध्य	रि ग् प रि ग् रि सु . ४	ति
मन्द्र		

गु न न की . जी ये अ व गु न न

३ १

तार	रि सु . ५	सु
मध्य	धु नि पु ध रि धु नि धु पु	
मन्द्र	-	

की . जी ये सु नी स न का . जा ने

२ ३

ता०

मध्य	गु म धु मु प सु गु सु गु रि गु रि सु रि
------	---

मन्द्र

गु न की सा . र औ . र गु नी गु नी .
२

तार

सु रि गु रि सु

मध्य

मु ङ रि गु म धु नि

मन्द्र

नि नि

जा ने गु न की सा
१ २

तार

मध्य

नि ध प रु गु रि सु सु रि गु प रि गु रि

न्द्र

नि

. र अ व गु न न की . जी
३ २

तार		सु सु सु सु
मध्य	सु० ५	गु गु पु पु धु धु नि
मन्द्र		

ये व डी वे र स म शे न ही . .
 १ २ ३ २

तार	सु रि गु रि गु रि	सु रि सु
मध्य		नि धु पु सु
मन्द्र		

.

१

तार	
मध्य	पु धु सु पु सु गु सु पु धु नि० ५ नि० ५
मन्द्र	

.

२

३

तार	सु०५	सू स॒ सू
मध्य	नि०५	गु गु प॒ पु ध्र
मन्द्र		

व डी वे र स म झ न
२ १ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	स रि गु रि सु रि
मध्य		धु नि
मन्द्र		

ही स म श त
२ १ २

तार	सु	
मध्य	नि धु पु सु प धु मु ५ पु०५ धु०५	
मन्द्र		

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु . सु गु रि गु	५ रि सु
मन्द्र		नि

को . न क हे . ए क वे र क हे
२ १

तार		
मध्य	रि सु . ५	स, सु रि गु रि गु
मन्द्र	धु नि धु	नि

दी नी को . न क हे यह वा र वा
२ ३

तार		
मध्य	रि सु रि गु पु रि गु रि सु . ५	रि
मन्द्र	नि	नि

र अ व गु न न की जि ये वा .
२ १

तार	सु रि गु सु गु रि स	
मध्य	गु सु धु नि	नि धु
मन्द्र		

.....

२

तार		
मध्य	पु सु गु रि सु ङ	सु रि गु पु रि ग रि
मन्द्र	नि	

..... अ व गु न न की . जी

३

२

तार		सु रि गु पु
मध्य	सु . ङ	रि गु सु धु नि
मन्द्र		नि

ये

जा

१

२

ता०	सू५	सू	सू५
मध्य	नि०५	ग०५	धु
मन्द्र			

३ ङी वे र स म शे न
१ २ ३

तार	सू गुरि सु रु	म ५
मध्य	नि	धु नि पु धु
मन्द्र		

ङी

२

१

तार	गुरि सु रि सु	सु
मध्य	सु०	नि धु नि प धु सु प
मन्द्र		

तार	सु रि० ५	सु
नय	गु सु पु धु नि	गु गु प पु
मद्र		

ब डी बे र स
१ २

२

तार	सु सु सु सु रि सु सु	सु
मय	धु	गु ० ० प
मद्र		

म शे न ही स म श त ब डी बे र स
३ २ १

तार	सु रु सु रु रि सु सु	सु सु
मय	धु	हु रि धु
मद्र		

म शे न ही स म श त वा . र बे र
२ ३

११२ सु गु रि सु

मध्य नि धु प सु गु सु पु ध नि

मन्द्र

३

तार सु रि गु रि सु

मध्य नि धु पु सु गु सु पु धु नि

मन्द्र

२

१

तार सु

मध्य नि धु पु सु गु रि सु ५ सु रि गु

मन्द्र

नि

अ व गु न

२

३

तार		
मध्य	पु रि ग् रि सु . ५	
मन्द्र		

न की . जी ये
२





Single Hand Harmonium from	Rs.	30 to 75
Double-reed Hand Harmonium	...	60 to 250
Folding Harmonium	100 to 500
Satar	15 to 75
Tambura	25 to 150
Tambura box	12 to 35
Dilruba	20 to 75
Tabla pair	12 to 50
Mridang	15 to 40
Flute	1-4 to 15
Jal-tarang	8 to 12

Manager.

G.M.Vidyalaya. Workshop.

